अभ्यास-पुस्तिका

अपूर्वा भाग-1

(द्‌वितीय भाषा हिंदी शिक्षण की छठी कक्षा के लिए)

संपादक

लालचंद राम

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

प्रथम संस्करण
नवंबर 2002
कार्तिक 1924
PD 5T ML

ISBN 81-7450-121-5

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन विभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैम्पस	108, 100 फीट रोड, होस्डेकेरे	नवजीवन ट्रस्ट भवन	सी.डब्लू.सी. कैम्पस
श्री अरविंद मार्ग	हेली एक्सटेंशन बनाशंकरी III इस्टेज	डाकघर नवजीवन	32, बी.टी. रोड, सुखचर
नई दिल्ली 110016	**बैंगलूर 560085**	**अहमदाबाद 380014**	**24 परगना 743179**

प्रकाशन सहयोग

संपादन : एम. लाल
उत्पादन : डी. साईं प्रसाद
सुबोध श्रीवास्तव

आवरण एवं चित्र : भूषण शालिग्राम

रु. 30.00

एन.सी.ई.आर.टी. वाटर मार्क 70 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित ।

प्रकाशन विभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली - 110016 द्वारा प्रकाशित तथा नवटैक कंप्यूटर द्वारा लेज़र टाईप सेट होकर तथा प्रकाश ऑफसेट प्रिंटिंग प्रैस, C-450, नरेला इंडस्ट्रीयल पार्क, नरेला, दिल्ली - 110040 द्वारा मुद्रित।

आमुख

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, शिक्षा विशेषतः विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में भारत सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के निर्धारण एवं क्रियान्वयन में सहयोग और परामर्श प्रदान करती रही है। इसी उद्देश्य से परिषद् ने "विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2000" तैयार की है ताकि राष्ट्र के समक्ष शिक्षा के मौजूदा सरोकारों और मुद्दों को पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रमों में समाहित किया जा सके। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या के आलोक में ही नवीन पाठ्यक्रम तैयार किया गया है, तद्नुसार द्वितीय भाषा हिंदी शिक्षण के लिए अपूर्वा भाग-1 पाठ्यपुस्तक की रचना की गई।

इस पाठ्यपुस्तक के व्यावहारिक रूपों पर बल देने के लिए, भाषा की प्रयोजनशीलता स्थापित करने के लिए तथा भाषा-प्रयोग की दक्षता के विकास के लिए 'अभ्यास-पुस्तिका (अपूर्वा भाग-1)' तैयार की गई है। द्वितीय भाषा शिक्षण में लेखन अभ्यासों को प्राथमिकता देने से भाषा अधिगम की प्रक्रिया तेज़ और दृढ़ होती है, क्योंकि बार-बार लिखने से शिक्षार्थी के मस्तिष्क में संरचना और प्रयोग के बिंदु स्थिर हो जाते हैं। इसलिए इस अभ्यास-पुस्तिका में भिन्न-भिन्न प्रकार के भाषिक अभ्यासों को लेखन के द्वारा पूरा कराने के अनेक अवसर शिक्षार्थियों को प्रदान किए गए हैं। अभ्यास-पुस्तिका के पहले दस पाठ वर्ण-लेखन, मात्रा-लेखन, शब्द-निर्माण और शब्द-लेखन की महत्त्वपूर्ण और आवश्यक विधियों पर आधारित हैं तथा ग्यारहवें पाठ से आगे के अभ्यास भाषा संरचना और भाषा-प्रयोग पर केंद्रित हैं। ये अभ्यास शिक्षार्थियों के परिवेश, जीवनानुभव और भाषा की प्रयोजनशीलता तथा उसके व्यावहारिक प्रयोग पर भी विशेष बल देने वाले हैं जिससे कि वे आवश्यकतानुसार कहीं भी, किसी भी परिस्थिति में भाषा का प्रयोग निःसंकोच कर सकें।

अभ्यास-पुस्तिका के निर्माण में हिंदीतर राज्यों के हिंदी अध्यापकों, विषय-विशेषज्ञों, मूर्धन्य शिक्षाविदों, भाषाविदों और साहित्यकारों का जो बहुमूल्य सहयोग परिषद् को प्राप्त हुआ है, उन सबके प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूँ।

पुस्तक में परिवर्तन, संशोधन और परिमार्जन के लिए आपके सुझावों का हम स्वागत करेंगे ताकि इस अभ्यास-पुस्तिका का आगामी संस्करण अधिक व्यावहारिक एवं उपयोगी बना सकें।

नई दिल्ली
नवंबर 2002

जगमोहन सिंह राजपूत
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

अध्यापक बंधुओं से

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् द्वारा नवनिर्मित राष्ट्रीय पाठ्यचर्या और तदनुसार पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है। इसके अनुसार छठी कक्षा में पहली बार द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी सीखने-सिखाने के लिए 'अपूर्वा' पुस्तक माला का निर्माण किया गया है। यह पुस्तक सामान्य रूप से द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी सीखने-सिखाने की ज़रूरतों को पूरा करती है। इसका उपयोग हिंदी शिक्षण से संबंधित हिंदीतर क्षेत्रों के सभी विद्यालय कर सकते हैं, तथापि यह पुस्तक हिंदीतर क्षेत्रों में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालयों की ज़रूरतों को भी पूरा करती है।

पाठ्यपुस्तक निर्माण के साथ-साथ परिषद् का यह उद्देश्य भी रहता है कि व्यावहारिक कार्य को बल देने के लिए 'अभ्यास-पुस्तिका' भी तैयार की जाए। 'अपूर्वा भाग-1' पर आधारित इस अभ्यास-पुस्तिका में पहले दस पाठों के अभ्यास वर्ण-लेखन, मात्रा-लेखन, शब्द-निर्माण और शब्द-लेखन की महत्त्वपूर्ण और आवश्यक विधियों को सिखाने पर केंद्रित हैं और ग्यारहवें पाठ से आगे के अभ्यास भाषा-संरचना और भाषा-प्रयोग को सिखाने पर केंद्रित हैं। इनमें शब्द-बोध, शब्द-निर्माण और शब्द-प्रयोग पर भी अभ्यास दिए गए हैं।

यह माना जाता है कि द्वितीय भाषा शिक्षण में लेखन अभ्यासों को प्राथमिकता देने से भाषा अधिगम की प्रक्रिया तेज और दृढ़ होती है क्योंकि बार-बार लिखने से शिक्षार्थी के मस्तिष्क में संरचना और प्रयोग के बिंदु स्थिर हो जाते हैं। इस अभ्यास-पुस्तिका में भी भिन्न-भिन्न प्रकार के भाषिक अभ्यासों को लेखन द्वारा पूरा कराने के अनेक अवसर शिक्षार्थी को दिए गए हैं।

इस दृष्टि से इस अभ्यास-पुस्तिका के उद्देश्यों में भाषा के व्यावहारिक प्रयोग और शिक्षार्थी के जीवनानुभव से इनकी संबद्धता प्रमुख है। इस प्रमुखता को यह अभ्यास-पुस्तिका अधिगम प्रक्रिया, क्रमिक बोध तथा प्रयोगगत क्षमता से जोड़ते हुए निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति करती है :

1. वर्ण संबंधी अभ्यासों के चित्र रोचक अभ्यासों और स्व-केंद्रित क्रियाओं द्वारा पूरा कराना, जिससे कि शिक्षार्थी बार-बार इसके संपर्क में आए और स्पष्टता के साथ इनकी अवधारणा को समझ सके,
2. वर्ण संबंधी अभ्यास में यह ध्यान रखा गया है कि हिंदी मात्राओं का बोध शिक्षार्थी को सघनता और संपूर्णता में हो सके। मातृभाषा की मात्रिक व्यवस्था तथा हिंदी की मात्रिक व्यवस्था में भेद तो होते ही हैं, इसके साथ ही हिंदी की मात्रा व्यवस्था की कुछ अपनी विशेषताएँ भी हैं, जैसे – 'र' के एकाधिक स्वर, अनुस्वार-अनुनासिक चिह्न आदि। ऐसी विशेष मात्रा व्यवस्थाओं को शिक्षार्थी के मन में बैठाने के लिए उनके लेखन की बारंबारता को महत्त्व दिया गया है,
3. वर्ण-बोध के लिए चित्र देखकर एक प्रदर्शित वर्ण, की सहायता से पूरे शब्द के निर्माण और लेखन अभ्यास इस अभ्यास-पुस्तिका में प्रचुरता से दिए गए हैं, जिससे कि पहले वर्ष का शिक्षार्थी वर्ण से शब्द बनाने और उसकी संकल्पना/ अर्थ को समझने में सक्षम हो सके,
4. वर्ण संबंधी लेखन अभ्यास भाषा अधिगम को सहज बना सकें इसलिए वर्ण-चयन तो बारंबारता के आधार पर किया ही गया है, इनके अभ्यास को भी इसी अनुपात में महत्त्व दिया गया है, जैसे-- केवल वर्ण लेखन को आठ-आठ बार, वर्ण और मात्राएँ जोड़कर लेखन को आठ-आठ बार और केवल शब्द लेखन को पाँच-पाँच बार तथा चित्र देखकर शब्द पूरा करने को चार-चार बार लिखने के लिए दिया गया है। शिक्षक से यह भी आशा की जाती है कि वे इन सभी प्रकार के अभ्यासों को और भी संदर्भों में विस्तार देकर कराएँ,

5. संयुक्त व्यंजनों, 'र' के तीनों रूपों और संयुक्त वर्णों के अभ्यास को अलग से और अभिक्रमित दृष्टि से उपयुक्त स्थान पर रखते हुए स्थान दिया गया है। यहाँ भी लेखन कौशल विस्तार की वे विभिन्न पद्धतियाँ अपनाई गई हैं जिससे कि इनके महत्त्व और प्रयोग से शिक्षार्थी परिचित हो सकें और इनकी भाषिक भूमिका को समझ सकें,
6. मूल पाठों के प्रारंभ से (अर्थात पाठ 11 से आगे) अभ्यासों को अन्य भाषा शिक्षण की प्रत्यक्ष विधि (डायरेक्ट मेथड) की तकनीकों के आधार पर विकसित किया गया है। व्याकरणिक शब्दावली से बचते हुए, संरचना-बिंदुओं के व्यावहारिक रूपों को प्रत्यक्ष ढंग से इस्तेमाल करते हुए ये अभ्यास निर्मित किए गए हैं। इन अभ्यासों की प्रकृति व्यावहारिक ढंग से हिंदी भाषा की उन महत्त्वपूर्ण इकाईयों को शिक्षार्थी के मस्तिष्क में दृढ़ करना है जिनके आधार पर मूल-पाठ बनाए गए हैं,
7. शब्द-निर्माण के अभ्यासों में उपसर्ग, प्रत्यय, क्रिया अन्विति, लिंग-वचन अन्विति आदि को व्यावहारिक रूप से इस अभ्यास-पुस्तिका में दिया गया है। इस प्रकार के अभ्यासों में मूल पाठ में आए शब्दों के सातत्य में उसी तरह के अन्य शब्द देते हुए शब्द-निर्माण और शब्द-प्रयोग के अभ्यास प्रचुरता के साथ दिए गए हैं,
8. भाषा मात्र व्याकरणिक श्रृंखला नहीं होती, उसका व्यावहारिक पक्ष भी होता है जो द्वितीय भाषा शिक्षण के लिए तो अत्यंत उपादेय बनता है। इस दृष्टि से इस अभ्यास-पुस्तिका में शब्द वर्गों जैसे– विशेषण, क्रिया विशेषण, अव्यय आदि संबंधी अभ्यासों को शिक्षार्थी के जीवन संदर्भों से जोड़कर बड़ी मात्रा में दिया गया है। इसी तरह समय बोध, दूरी-नजदीकी, आत्मीयता, औपचारिकता, नाते-रिश्ते आदि के संदर्भ में शिक्षार्थी सटीक ढंग से हिंदी का प्रयोग कर सके, इस तरह के अभ्यास भी दिए गए हैं,
9. हिंदी भाषा संरचना में क्रिया-रूपों का बड़ा महत्त्व है। इन अभ्यासों से भिन्न अर्थों वाली क्रियाओं जैसे– लेना-देना संयुक्त क्रियाओं, चाहना-चाहिए आदि से संबंधित प्रयोगों का अभ्यास व्यावहारिक दृष्टि से कराया गया है। इनके साथ ही प्रेरणार्थक क्रियाओं, सकारात्मक-नकारात्मक अर्थ वाले प्रयोगों को भी समेटा गया है। एक ही बात को शिक्षार्थी अलग-अलग उक्तियों (अटरेंसेज़) में बदल सके तथा इनके प्रयोग संदर्भ को समझ सकें, इस दक्षता के विकास को इस प्रकार के अभ्यास पर्याप्त बल देते हैं,
10. इन अभ्यासों को इस प्रकार देने का भी प्रयत्न इस अभ्यास-पुस्तिका में है कि शिक्षार्थी निर्धारित संरचना का प्रयोग करते हुए अभ्यासों में दिए गए प्रश्नों का उत्तर अपने अनुभवों के आधार पर दे सकें। इन अभ्यासों में छात्र-छात्रा के भेद को भी रेखांकित किया गया है। ये अभ्यास एक ओर शिक्षार्थी को मुक्त भाषा प्रयोग का अवसर प्रदान करते हैं तो दूसरी ओर उनकी भाषा-प्रयोग संबंधी दक्षता को भी विस्तार देते हैं। अध्यापक बंधुओं से यह अपेक्षा है कि इस प्रकार के अधिक से अधिक अभ्यास शिक्षार्थी से कराएँ और विभिन्न-स्थिति संदर्भों से जोड़कर इनके प्रयोग के अवसर उन्हें दें,
11. इन अभ्यासों में हिंदी भाषा की प्रयोजनीयता का भी ध्यान रखा गया है। अभिवादन, अनुरोध, आदेश, विनम्रता, अनौपचारिकता, आत्मीयता आदि की अभिव्यक्ति वाली शब्दावली और संरचना को विशेष उभार देकर इन अभ्यासों में यथास्थान शामिल किया गया है। इससे शिक्षार्थी हिंदी भाषा के वास्तविक सामाजिक प्रयोग के प्रति सचेत होगा और हिंदी भाषा की विशिष्ट संप्रेषणपरक प्रकृति से उसका परिचय हो सकेगा,
12. सर्वनाम प्रयोग से संबंधित अभ्यासों को भी इस पुस्तिका में पर्याप्त स्थान दिया गया है। तीनों वर्गों के हिंदी सर्वनामों के मूल तथा तिर्यक रूपों के प्रयोग को पारिवारिक, सामाजिक (बाज़ार आदि), आत्मीय तथा औपचारिक स्थितियों में छोटे-छोटे वाक्यों के माध्यम से ये अभ्यास बार-बार कराए गए हैं। भाषिक संप्रेषण में सर्वनाम प्रयोग ही प्रमुख होते हैं अतः वास्तविक भाषा प्रयोग की दक्षता में इस प्रकार के अभ्यासों का अपना महत्त्व है,
13. पाठ्यपुस्तक में दी गई कविताओं पर केंद्रित अभ्यास भी इस पुस्तिका में विशेष अधिगम-लक्ष्य को ध्यान में रख कर दिए गए हैं। कठिन शब्दों के अर्थ खोलने के लिए पर्याय, विलोम तथा समान परिवेश के शब्दों को अभ्यास में स्थान दिया

गया है। साथ ही कविता की महत्त्वपूर्ण पंक्तियों को उसकी अगली या पिछली पंक्ति के साथ पूरा करने के लिए कहा गया है। कविता के प्रत्यास्मरण और भाव को समझने में शिक्षार्थी को आसानी होगी। कविता के भाव को स्पष्ट करने के लिए काव्य पंक्ति को गद्य पंक्ति में परिवर्तित करने वाले अभ्यास भी इसमें समाहित किए गए हैं,

14. इस अभ्यास-पुस्तिका के मूल पाठों में (पाठ 11 से आगे) शिक्षण बिंदु में उल्लिखित संरचनाओं के अतिरिक्त आई संरचनाओं को भी पर्याप्त स्थान दिया गया है। इस प्रकार की संरचनाएँ पाठ-संदर्भ को गति देने, प्रभावी बनाने तथा संप्रेषणीय बनाने में सहायक होती हैं। इनके विस्तार को भिन्न प्रकार से नियंत्रित करते हुए ये अभ्यास दिए गए हैं ताकि भाषा प्रयोग के एकाधिक पक्षों से शिक्षार्थी परिचित हो सकें तथा इनका प्रयोग कर सकें। शिक्षकों को इस प्रकार की अतिरिक्त संरचनाओं से संबंधित विभिन्न अभ्यास कक्षा में कराने चाहिए क्योंकि भाषा कुछ ही संरचनाओं में सिमटी नहीं होती, उसका व्यावहारिक स्वरूप अतिरिक्त संरचनाओं से जुड़ कर ही सार्थक बनता है।

अपूर्वा भाग-1 की यह अभ्यास-पुस्तिका अभिक्रमिक ढंग से प्रारंभिक हिंदी के अधिगम को सफल बना सके, इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए इसे प्रयोजनमूलक, व्यावहारिक और स्व-केंद्रित रखने का प्रयत्न किया गया है। अभ्यास-पुस्तिका में विभिन्न प्रकार के क्रियात्मक अभ्यासों को समेटने का भी प्रयत्न किया गया है ताकि शिक्षार्थी इन अभ्यासों को करते समय अपनी संलग्नता महसूस कर सके। इस बात को जाँचने के लिए इसकी सामग्री का जवाहर नवोदय विद्यालय के छठी कक्षा के शिक्षार्थियों के बीच पूर्व-परीक्षण भी किया गया। यह संतोष का विषय है कि जिस लक्ष्य और उद्देश्य को दृष्टि में रख कर परिषद् ने अभ्यास-पुस्तिका निर्मित की है, उसकी बड़ी ही सार्थक प्रतिक्रियाएँ शिक्षार्थियों एवं शिक्षकों में दिखाई दी।

इस अभ्यास-पुस्तिका के निर्माण में देश के विशेषज्ञ विद्वानों, भाषा वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों आदि का जो सहयोग परिषद् को मिला है, इसके लिए परिषद् हार्दिक आभार व्यक्त करती है।

इस अभ्यास-पुस्तिका में परिवर्तन, संशोधन और परिष्कार के लिए आपके सुझावों का हम स्वागत करेंगे ताकि इसका आगामी संस्करण हम अधिक व्यावहारिक एवं उपयोगी बना सकें।

संपादक

पांडुलिपि समीक्षा-संशोधन कार्यगोष्ठी के सदस्य

1. प्रो. कैलाश चंद्र भाटिया
   पूर्व प्रोफ़ेसर, लालबहादुर शास्त्री
   प्रशासन अकादमी, मंसूरी, उ.प्र.
2. प्रो. वी.रा. जगन्नाथन
   निदेशक, मानविकी विद्यापीठ
   इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
   नई दिल्ली
3. प्रो. कृष्ण कुमार गोस्वामी
   प्रोफ़ेसर, केंद्रीय हिंदी संस्थान
   नई दिल्ली
4. प्रो. दिलीप सिंह
   प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, उच्च शिक्षा शोध संस्थान
   दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा
   धारवाड़, कर्नाटक
5. डॉ. नरेंद्र व्यास
   पूर्व निदेशक
   केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली
6. डॉ. हीरालाल बाछोतिया,
   रीडर एवं पूर्व प्रभारी
   हिंदी प्रकोष्ठ, सा.वि.मा.शि.वि.
   एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली
7. प्रो. शारदा भसीन
   पूर्व प्रभारी, केंद्रीय हिंदी संस्थान
   नई दिल्ली
8. डॉ. एच. बालसुब्रमण्यम
   पूर्व सहायक निदेशक
   केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली
9. डॉ पूरन सहगल
   निदेशक, मालव लोक संस्कृति अनुष्ठान
   कृष्णायन/उषागंज, मनासा, मध्य प्रदेश
10. डॉ. उमेश वाजपेयी
    उप निदेशक (शैक्षिक)
    जवाहर नवोदय विद्यालय समिति, नई दिल्ली.
11. श्री राजकुमार निगम
    पूर्व सहायक शिक्षा अधिकारी
    केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली
12. डॉ रूपेंद्र सिंह
    पी.जी.टी.(हिंदी), जवाहर नवोदय विद्यालय
    मामनूर, वारंगल, आंध्रप्रदेश
14. डॉ. बी.एम. शिवशंकर मूर्ति
    टी.जी.टी. (हिंदी), जवाहर नवोदय विद्यालय
    क्यारकोप्पा रोड, धारवाड़, कर्नाटक
15. श्री पी. जयरंगप्पा
    जवाहर नवोदय विद्यालय
    डोडा बल्लापुरा, बंगलौर, कर्नाटक
16. श्रीमती सुलेखा बेगम
    पी.जी.टी. (हिंदी), जवाहर नवोदय विद्यालय,
    मलंपुझा, पलकड़ जिला, केरल
17. डॉ. चन्द्रा सदायत
    रीडर, सा.वि.मा.शि.वि.
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली
18. डॉ. लालचंद राम **(समन्वयक)**
    प्रवक्ता, सा.वि.मा.शि.वि.
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली

विषय-सूची

	आमुख		iii
	अध्यापक बंधुओं से		v
1.	पहला पाठ	कलम	1
2.	दूसरा पाठ	जहाज़	6
3.	तीसरा पाठ	खरगोश	10
4.	चौथा पाठ	किताब	16
5.	पाँचवाँ पाठ	झंडा	21
6.	छठा पाठ	धनुष	27
7.	सातवाँ पाठ	ठेला	32
8.	आठवाँ पाठ	पौधा	37
9.	नवाँ पाठ	ऋषि	41
10.	दसवाँ पाठ	ट्रैक्टर	45
11.	ग्यारहवाँ पाठ	हमारा घर	50
12.	बारहवाँ पाठ	कपड़े की दुकान	54
13.	तेरहवाँ पाठ	तितली (कविता)	59
14.	चौदहवाँ पाठ	बातचीत	62
15.	पंद्रहवाँ पाठ	पेड़ (कविता)	65
16.	सोलहवाँ पाठ	सरकस	68
17.	सत्रहवाँ पाठ	मदारी का तमाशा	71
18.	अठारहवाँ पाठ	माँ (कविता)	75
19.	उन्नीसवाँ पाठ	ईश्वरचंद्र विद्यासागर	78
20.	बीसवाँ पाठ	तोड़ो नहीं जोड़ो	82
21.	इक्कीसवाँ पाठ	बादल पानी बरसाता है (कविता)	86
22.	बाईसवाँ पाठ	पत्र	89
23.	तेईसवाँ पाठ	शेर और लोमड़ी	92
24.	चौबीसवाँ पाठ	बढ़े चलो (कविता)	97
25.	पच्चीसवाँ पाठ	यात्रा की तैयारी	99
26.	छब्बीसवाँ पाठ	गायक गधा और चतुर सियार (चित्रकथा-1)	102
27.	सत्ताईसवाँ पाठ	अब पछताने से क्या होगा (चित्रकथा-2)	104

भारत का संविधान

भाग 4अ

नागरिकों के मूल कर्त्तव्य

अनुच्छेद 51अ

मूल कर्त्तव्य – भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्त्तव्य होगा कि वह –

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे,

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे,

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे,

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे,

(ङ) *भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण* करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों,

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे,

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे,

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे,

(झ) *सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे,* और

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊंचाइयों को छू सके।

पहला पाठ

कलम

अभ्यास-1

तीर की दिशा के अनुसार वर्ण पूरा करो।

उद्देश्य : वर्ण लेखन विधि

क

ल

म

न

र

अ

आ

अभ्यास-2

उद्देश्य : वर्ण और मात्रा लेखन अभ्यास

वर्णों को आठ-आठ बार लिखो।

क

ल

म

न

र

अ

आ

ा

अभ्यास-3

उद्देश्य : वर्णों के साथ मात्रा लेखन अभ्यास

वर्णों के साथ 'ा' मात्रा जोड़कर आठ-आठ बार लिखो।

नमूना
⇨ क + ा = का

ल + ा = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

म + ा = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

न + ा = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

र + ा = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

अ + ा = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

अभ्यास-4

उद्देश्य : वर्णों को जोड़कर शब्द लिखना

वर्णों को जोड़कर शब्द बनाओ और पाँच-पाँच बार लिखो।

नमूना
⇨ क + ल = कल

न + ल = ____ ____ ____ ____ ____

क + म = ____ ____ ____ ____ ____

का + म = ____ ____ ____ ____ ____

ना + म = ____ ____ ____ ____ ____

का + न = ____ ____ ____ ____ ____

आ + म = ____ ____ ____ ____ ____

मा + मा = ____ ____ ____ ____ ____

अभ्यास-5

निम्नलिखित शब्दों को पाँच-पाँच बार लिखो।

उद्देश्य : शब्द लेखन अभ्यास

कलम	______	______	______	______	______
अनार	______	______	______	______	______
आम	______	______	______	______	______
मकान	______	______	______	______	______
कमल	______	______	______	______	______
कमला	______	______	______	______	______
कमरा	______	______	______	______	______

अभ्यास-6

चित्र देखकर शब्द पूरा करो और चार-चार बार लिखो।

उद्देश्य : चित्र पहचानकर शब्द पूरा करना
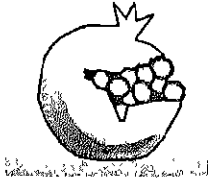
अ___र ______ ______ ______ ______

___कान ______ ______ ______ ______

कम___ ______ ______ ______ ______

अभ्यास-7

चित्र देखकर उसका नाम चार-चार बार लिखो।
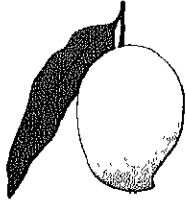
उद्देश्य : चित्र पहचानकर उसका नाम लिखना

______ ______ ______ ______

______ ______ ______ ______

______ ______ ______ ______

अभ्यास-8

घड़े में से अक्षर चुनकर सार्थक शब्द बनाओ और नीचे लिखो।

उद्देश्य : अक्षर चुनकर शब्द बनाना

दूसरा पाठ

जहाज़

अभ्यास-1

तीर की दिशा के अनुसार वर्ण पूरा करो।

घ

ड़

व

स

द

ज

ज़

ई

उद्देश्य : वर्ण लेखन विधि

अभ्यास-2

वर्णों को आठ-आठ बार लिखो।

र

स

व

क

द

ज

घ

ड

ड़

ई

ी

ड़ी

उद्देश्य : वर्ण और मात्रा लेखन अभ्यास

अभ्यास-3

(क) वर्ण के साथ 'ी' मात्रा जोड़कर आठ-आठ बार लिखो।

नमूना
⇨ क + ी = की

घ + ी = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
स + ी = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
ज + ी = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
द + ी = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
व + ी = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

(ख) वर्ण के साथ 'ा' मात्रा जोड़कर आठ-आठ बार लिखो।

घ + ा = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
ड़ + ा = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
स + ा = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
ज + ा = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
द + ा = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
व + ा = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

अभ्यास-4

वर्णों को जोड़कर शब्द बनाओ और पाँच-पाँच बार लिखो।

घ + ड़ी = ____ ____ ____ ____ ____
सा + ड़ी = ____ ____ ____ ____ ____
वी + र = ____ ____ ____ ____ ____
दी + दी = ____ ____ ____ ____ ____
मी + रा = ____ ____ ____ ____ ____
आ + री = ____ ____ ____ ____ ____

अभ्यास-5

निम्नलिखित शब्दों को पाँच-पाँच बार लिखो।

उद्देश्य : शब्द लेखन अभ्यास

सड़क ______ ______ ______ ______ ______

जमीन ______ ______ ______ ______ ______

आदमी ______ ______ ______ ______ ______

लड़का ______ ______ ______ ______ ______

दीवाली ______ ______ ______ ______ ______

राजा ______ ______ ______ ______ ______

नीरजा ______ ______ ______ ______ ______

अभ्यास-6

चित्र देखकर शब्द पूरा करो और चार-चार बार लिखो।

उद्देश्य : चित्र पहचानकर शब्द पूरा करना

ना____ ______ ______ ______ ______

____ड़ी ______ ______ ______ ______

स ____ क ______ ______ ______ ______

कम____ ______ ______ ______ ______
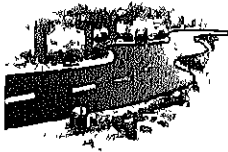
क

दमी

अभ्यास-7

चित्र देखकर उसका नाम चार-चार बार लिखो।
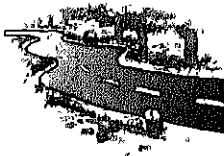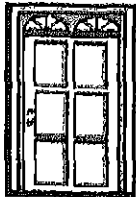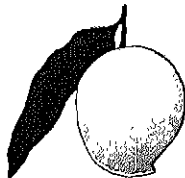
उद्देश्य : चित्र पहचानकर उसका नाम लिखना

तीसरा पाठ

खरगोश

अभ्यास-1

तीर की दिशा के अनुसार वर्ण पूरा करो।

उद्देश्य : वर्ण लेखन विधि

ग

य

प

त

ख

ओ

श

अभ्यास-2

वर्णों को आठ-आठ बार लिखो।

उद्देश्य : वर्ण और मात्रा लेखन अभ्यास

ग
ख
य
प
त
न
श
र
आ
ओ
ो
गो

उद्देश्य : वर्णों के साथ मात्रा लेखन अभ्यास

अभ्यास-3

(क) वर्ण के साथ 'ो' मात्रा जोड़कर आठ-आठ बार लिखो।

नमूना
⇨ क + ो = को

ख + ो = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
य + ो = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
प + ो = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
त + ो = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
श + ो = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

(ख) वर्ण के साथ 'ा' और 'ी' मात्राएँ जोड़कर आठ-आठ बार लिखो।

ग + ा = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
य + ा = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
प + ी = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
त + ी = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
श + ा = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
र + ी = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
न + ा = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

उद्देश्य : वर्णों को जोड़कर शब्द लिखना

अभ्यास-4

वर्णों को जोड़कर शब्द बनाओ और पाँच-पाँच बार लिखो।

को + ई = ____ ____ ____ ____ ____
तो + ता = ____ ____ ____ ____ ____
जा + ओ = ____ ____ ____ ____ ____
ओ + ख + ली = ____ ____ ____ ____ ____
को + य + ल = ____ ____ ____ ____ ____

को + य + ला = _____ _____ _____ _____ _____

रो + श + नी = _____ _____ _____ _____ _____

अभ्यास-5

निम्नलिखित शब्दों को पाँच-पाँच बार लिखो।

उद्देश्य : शब्द लेखन अभ्यास

पालकी _____ _____ _____ _____ _____

गमला _____ _____ _____ _____ _____

ओखली _____ _____ _____ _____ _____

पपीता _____ _____ _____ _____ _____

समोसा _____ _____ _____ _____ _____

राशन _____ _____ _____ _____ _____

अभ्यास-6

चित्र देखकर शब्द पूरा करो और चार-चार बार लिखो।

उद्देश्य : चित्र देखकर शब्द पूरा करना

तो_____ _____ _____ _____ _____

ओ_____ली _____ _____ _____ _____

_____कर _____ _____ _____ _____
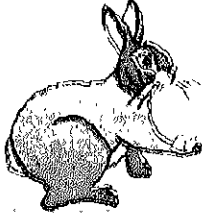
खर श ____ ____ ____ ____

गम ____ ____ ____ ____ ____

____शाल ____ ____ ____ ____

अभ्यास-7

चित्र देखकर उसका नाम चार-चार बार लिखो।

उद्देश्य : चित्र पहचानकर उसका नाम लिखना
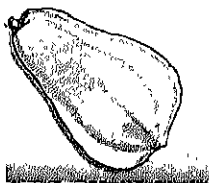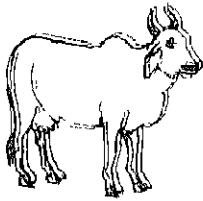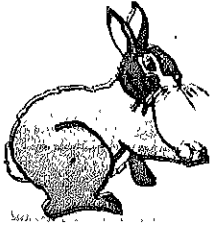
अभ्यास-8

पढ़ो और लिखो।

1.	कमला	का	मकान
2.	अनार	का	दाना
3.	पीला	पपीता	
4.	जोकर	की	नाक

उद्देश्य : वाक्यांश लेखन अभ्यास

अभ्यास-9

टोकरी में रखे फलों के नाम लिखो।
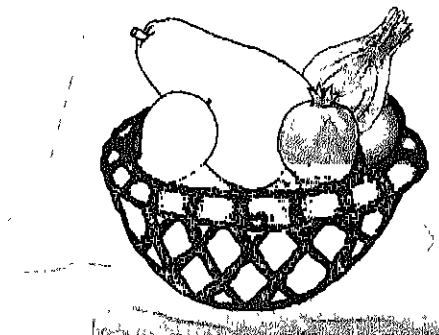
उद्देश्य : चित्र देखकर नाम लिखना

________	________	________	________
________	________	________	________
________	________	________	________
________	________	________	________

चौथा पाठ

किताब

अभ्यास-1

तीर की दिशा के अनुसार वर्ण पूरा करो।

उद्देश्य : वर्ण लेखन विधि

ट
इ
ब
ह
थ
च

अभ्यास-2

वर्णों को आठ-आठ बार लिखो।

उद्देश्य : वर्ण और मात्रा लेखन अभ्यास

ट ______ ______ ______ ______ ______ ______ ______ ______
द ______ ______ ______ ______ ______ ______ ______ ______
ब ______ ______ ______ ______ ______ ______ ______ ______
ह ______ ______ ______ ______ ______ ______ ______ ______
य ______ ______ ______ ______ ______ ______ ______ ______
थ ______ ______ ______ ______ ______ ______ ______ ______
च ______ ______ ______ ______ ______ ______ ______ ______
ख ______ ______ ______ ______ ______ ______ ______ ______
ि ______ ______ ______ ______ ______ ______ ______ ______

अभ्यास-3

(क) वर्ण के साथ 'ि' मात्रा जोड़कर आठ-आठ बार लिखो।

नमूना
⇨ क + ि = कि

ट + ि = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
ब + ि = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
ह + ि = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
थ + ि = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
च + ि = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

उद्देश्य : वर्णों के साथ मात्रा लेखन अभ्यास

(ख) वर्ण के साथ दी गई मात्राएँ जोड़कर आठ-आठ बार लिखो।

ट + ी = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
य + ी = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
ब + ो = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
थ + ो = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
ह + ौ = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
च + ौ = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____
श + ौ = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

अभ्यास-4

उद्देश्य : वर्णों को जोड़कर शब्द लिखना

नमूने के अनुसार शब्द बनाओ और पाँच-पाँच बार लिखो।

नमूना
⇨ कि + ला = किला

दि + न = ____ ____ ____ ____ ____
चि + ड़ि + या = ____ ____ ____ ____ ____

सि + ला + ई = ______ ______ ______ ______ ______

चि + म + टा = ______ ______ ______ ______ ______

बि + ज + ली = ______ ______ ______ ______ ______

गि + ल + ह + री = ______ ______ ______ ______ ______

अभ्यास-5

निम्नलिखित शब्दों को पाँच-पाँच बार लिखो।

उद्देश्य : शब्द लेखन अभ्यास

टमाटर ______ ______ ______ ______ ______

चाबी ______ ______ ______ ______ ______

बिटिया ______ ______ ______ ______ ______

हाथी ______ ______ ______ ______ ______

चरखा ______ ______ ______ ______ ______

थाली ______ ______ ______ ______ ______

इनाम ______ ______ ______ ______ ______

अभ्यास-6

चित्र देखकर शब्द पूरा करो और चार-चार बार लिखो।

उद्देश्य : चित्र देखकर शब्द पूरा करना

______ताब ______ ______ ______ ______

हि______न ______ ______ ______ ______

गिला______ ______ ______ ______ ______

उद्देश्य : चित्र देखकर शब्द पूरा करना

___मली ____ ____ ____ ____
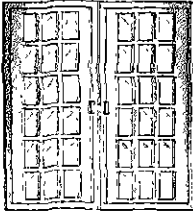
खि___की ____ ____ ____ ____

अभ्यास-7

चित्र देखकर उसका नाम पाँच-पाँच बार लिखो।

उद्देश्य : चित्र पहचानकर उसका नाम लिखना

____ ____ ____ ____ ____

____ ____ ____ ____ ____

____ ____ ____ ____ ____

अभ्यास-8

उद्देश्य : वाक्यांश लेखन अभ्यास
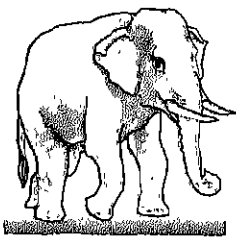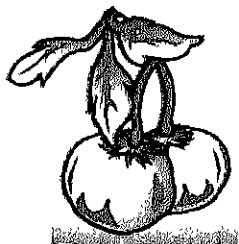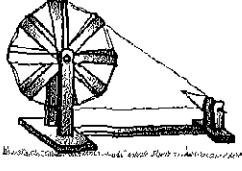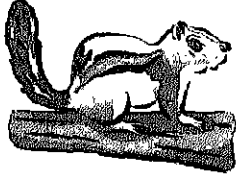
पढ़ो और लिखो।

1. बड़ी दीदी
2. हमारी बेटी
3. शीला की किताब
4. लाल साड़ी

पाँचवाँ पाठ

झंडा

अभ्यास-1

तीर की दिशा के अनुसार वर्ण पूरा करो।

उद्देश्य : वर्ण लेखन विधि

फ फ़ ऐ ड झ

अभ्यास-2

वर्णों को आठ-आठ बार लिखो।

उद्देश्य : वर्ण और मात्रा लेखन अभ्यास

प

फ

ड

ऐ

ॅ

ः

ँ

अभ्यास-3

(क) वर्ण के साथ (ै) मात्रा अनुस्वार (ं) एवं अनुनासिक (ँ) लगाकर आठ-आठ बार लिखो।

नमूना
⇨ फ + ै = फै, ह + ँ = हँ, ह + ं = हं

ड + ै = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

झ + ै = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

ड + ं = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

ड + ँ = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

झ + ं = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

झ + ँ = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

फ + ं = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

फ + ँ = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

उद्देश्य : वर्ण के रूप में मात्रा, अनुस्वार और चंद्रबिंदु लेखन अभ्यास

(ख) वर्ण के साथ दी गई मात्राएँ जोड़कर आठ-आठ बार लिखो।

ड + ा = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

ह + ि = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

थ + ी = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

क + े = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

म + े = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

ब + ै = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

प + ै = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

झ + ो = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

उद्देश्य : वर्ण के साथ मात्रा लेखन अभ्यास

अभ्यास-4

नमूने के अनुसार शब्द बनाओ और पाँच-पाँच बार लिखो।

नमूना
⇨ चं + दा = चंदा, चाँ + द = चाँद

उद्देश्य : वर्णों को जोड़कर शब्द लिखना

झं + डा = ______ ______ ______ ______ ______
हं + स = ______ ______ ______ ______ ______
हँ + स + ना = ______ ______ ______ ______ ______
गें + दा = ______ ______ ______ ______ ______
गैं + डा = ______ ______ ______ ______ ______
साँ + स = ______ ______ ______ ______ ______
दाँ + त = ______ ______ ______ ______ ______
दं + त = ______ ______ ______ ______ ______

अभ्यास-5

निम्नलिखित शब्दों को पाँच-पाँच बार लिखो।

उद्देश्य : शब्द लेखन अभ्यास

फ़ीस ______ ______ ______ ______ ______
सफ़ाई ______ ______ ______ ______ ______
बैल ______ ______ ______ ______ ______
थैला ______ ______ ______ ______ ______
फैलना ______ ______ ______ ______ ______
डंडा ______ ______ ______ ______ ______
डाकिया ______ ______ ______ ______ ______
ऐनक ______ ______ ______ ______ ______
ऐरावत ______ ______ ______ ______ ______

झाँकी ______ ______ ______ ______ ______

झोपड़ी ______ ______ ______ ______ ______

गाँव ______ ______ ______ ______ ______

है ______ ______ ______ ______ ______

हैं ______ ______ ______ ______ ______

अभ्यास-6

चित्र देखकर शब्द पूरा करो और चार-चार बार लिखो।
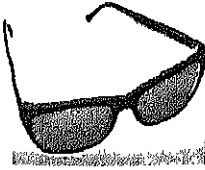
ऐन___ ______ ______ ______ ______
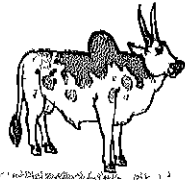
___ल ______ ______ ______ ______

आँ___ ______ ______ ______ ______
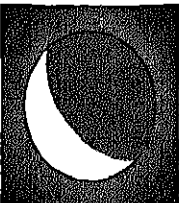
___द ______ ______ ______ ______

उद्देश्य : चित्र देखकर शब्द पूरा करना
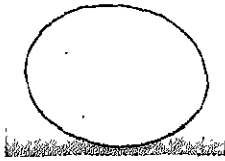
अभ्यास-7

चित्र देखकर उसका नाम चार-चार बार लिखो।
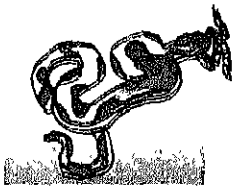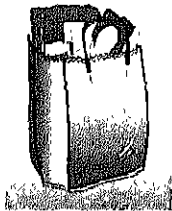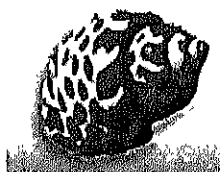
अभ्यास-8

पढ़ो और लिखो।

उद्देश्य : वाक्य लेखन अभ्यास

1.	आँख	पर	ऐनक	है।
2.	डलिया	में	फल	है।
3.	हाथ	में	डंडा	है।
4.	पेड़	पर	बंदर	है।

छठा पाठ

धनुष

अभ्यास-1

तीर की दिशा के अनुसार वर्ण पूरा करो।

उद्देश्य : वर्ण लेखन विधि

उ

ध

ष

ऊ

भ

अभ्यास-2

वर्णों को आठ-आठ बार लिखो।

उद्देश्य : मात्रा सहित वर्ण लेखन अभ्यास

ध

ष

भ

उ

ऊ

पु

फू

दु

धू

उद्देश्य : वर्ण के साथ मात्रा लेखन अभ्यास

अभ्यास-3

(क) वर्ण के साथ दी गई मात्राएँ जोड़कर आठ-आठ बार लिखो।

ष + ि = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

ध + ि = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

थ + ी = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

भ + ु = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

भ + ू = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

(ख) वर्ण के साथ 'ै' मात्रा जोड़कर आठ-आठ बार लिखो।

ध + ै = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

भ + ै = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

प + ै = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

फ + ै = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

अभ्यास-4

नमूने के अनुसार शब्द बनाओ और पाँच-पाँच बार लिखो।

नमूना

⇨ धू + ल = धूल

उद्देश्य : वर्णों को जोड़कर शब्द लिखना

आ + लू = ____ ____ ____ ____ ____

सि + र = ____ ____ ____ ____ ____

फि + र = ____ ____ ____ ____ ____

धी + र = ____ ____ ____ ____ ____

भी + ड़ = ____ ____ ____ ____ ____

खु + र = ____ ____ ____ ____ ____

चु + प = ____ ____ ____ ____ ____

धु + न = ____ ____ ____ ____ ____

धू + ल = ______ ______ ______ ______ ______

पु + ल = ______ ______ ______ ______ ______

फू + ल = ______ ______ ______ ______ ______

भू + ल = ______ ______ ______ ______ ______

अभ्यास-5

उद्देश्य : शब्द लेखन अभ्यास

निम्नलिखित शब्दों को पाँच-पाँच बार लिखो।

उँगली ______ ______ ______ ______ ______

धनुष ______ ______ ______ ______ ______

ऊन ______ ______ ______ ______ ______

भालू ______ ______ ______ ______ ______

साधु ______ ______ ______ ______ ______

धूप ______ ______ ______ ______ ______

अभ्यास-6

उद्देश्य : चित्र देखकर शब्द पूरा करना

चित्र देखकर शब्द पूरा करो और चार-चार बार लिखो।

भा______ ______ ______ ______ ______

तरा______ ______ ______ ______ ______

______ल ______ ______ ______ ______

—— ला —— —— —— ——

मु —— ली —— —— —— ——

अभ्यास-7

चित्र देखकर उसका नाम चार-चार बार लिखो।

—— —— —— ——

—— —— —— ——

—— —— —— ——

—— —— —— ——

—— —— —— ——
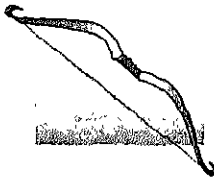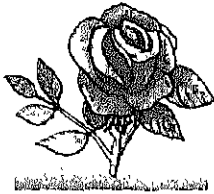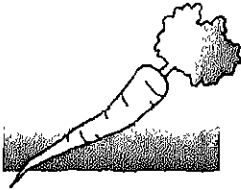
उद्देश्य : चित्र पहचानकर उसका नाम लिखना

अभ्यास-8

पढ़ो और लिखो।

1.	बगीचे	में	फूल	हैं।
2.	मेले	में	भीड़	है।
3.	नदी	पर	पुल	है।
4.	भालू	नाचता	है।	

उद्देश्य : वाक्य लेखन अभ्यास

सातवाँ पाठ

ठेला

अभ्यास-1

उद्देश्य : वर्ण लेखन विधि

तीर की दिशा के अनुसार वर्ण पूरा करो।

ठ

ढ

ढ़

रु

रू

ए

अभ्यास-2

उद्देश्य : वर्ण और मात्रा लेखन अभ्यास

वर्णों को आठ-आठ बार लिखो।

ठ

ढ

ढ

र

रु

रू

ए

अभ्यास-3

वर्ण के साथ दी गई मात्राएँ जोड़कर आठ-आठ बार लिखो।

ठ + ा = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

ठ + ि = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

ढ + ी = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

ढ + ो = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

र + ु = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

र + ू = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

क + ु = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

ड + ू = ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

अभ्यास-4

नमूने के अनुसार शब्द बनाओ और पाँच-पाँच बार लिखो।

नमूना
⇨ ढा + ल = ढाल

आ + ठ = ____ ____ ____ ____ ____

दा + ढ़ी = ____ ____ ____ ____ ____

ला + ठी = ____ ____ ____ ____ ____

बू + ढ़ा = ____ ____ ____ ____ ____

रु + क = ____ ____ ____ ____ ____

रू + प = ____ ____ ____ ____ ____

अभ्यास-5

निम्नलिखित शब्दों को पाँच-पाँच बार लिखो।

उद्देश्य : शब्द लेखन अभ्यास

ढीला ______ ______ ______ ______ ______

ढेला ______ ______ ______ ______ ______

ठेला ______ ______ ______ ______ ______

ओढ़नी ______ ______ ______ ______ ______

रुपया ______ ______ ______ ______ ______

डमरू ______ ______ ______ ______ ______

रूमाल ______ ______ ______ ______ ______

अभ्यास-6

चित्र देखकर शब्द पूरा करो और चार-चार बार लिखो।

उद्देश्य : चित्र देखकर शब्द पूरा करना

______ला ______ ______ ______ ______

______ल ______ ______ ______ ______

______ल ______ ______ ______ ______

ए———— ———— ———— ———— ————
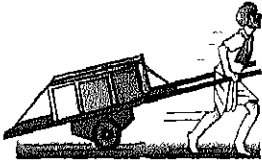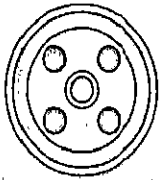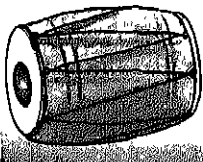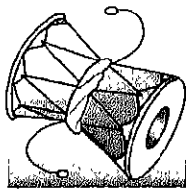
डम———— ———— ———— ———— ————

शे———— ———— ———— ———— ————

अभ्यास-7

चित्र देखकर उसका नाम चार-चार बार लिखो।

———— ———— ———— ————

———— ———— ———— ————

———— ———— ———— ————

उद्देश्य : चित्र पहचानकर उसका नाम लिखना
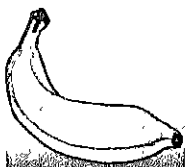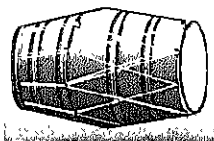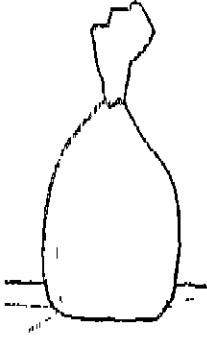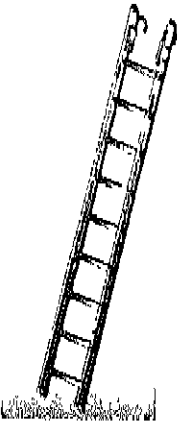
आठवाँ पाठ

पौधा

अभ्यास-1

तीर की दिशा के अनुसार वर्ण पूरा करो।

उद्देश्य : वर्ण लेखन विधि

औ

छ

ण

अभ्यास-2

वर्णों को आठ-आठ बार लिखो।

उद्देश्य : वर्ण लेखन अभ्यास

छ

ण

ह

झ

औ

ौ

अभ्यास-3

वर्ण के साथ दी गई मात्राएँ जोड़कर आठ-आठ बार लिखो।

उद्देश्य : वर्ण के साथ मात्रा लेखन अभ्यास

छ + ा

छ + ि

छ + ु

छ + ू

छ + ो

छ + ौ

ख + ो

ख + ौ

अभ्यास-4

नमूने के अनुसार शब्द बनाओ और पाँच-पाँच बार लिखो।

नमूना
⇨ भा + षा = भाषा

उद्देश्य : वर्णों को जोड़कर शब्द लिखना

चौ + ड़ा =

कौ + न =

चौ + क =

औ + र =

भू + ष + ण =

औ + र + त =

चौ + की =

बि + छौ + ना =

भा + ष + ण =

औ + ष + ध =

अभ्यास-5

निम्नलिखित शब्दों को पाँच-पाँच बार लिखो।

उद्देश्य : शब्द लेखन अभ्यास

औषध ______ ______ ______ ______ ______

खिलौना ______ ______ ______ ______ ______

छिपकली ______ ______ ______ ______ ______

विभीषण ______ ______ ______ ______ ______

तौलिया ______ ______ ______ ______ ______

अभ्यास-6

चित्र देखकर शब्द पूरा करो और चार-चार बार लिखो।

उद्देश्य : चित्र पहचानकर उसका नाम लिखना

___रत ______ ______ ______ ______

छत___ ______ ______ ______ ______

म___ली ______ ______ ______ ______

___आ ______ ______ ______ ______

____धा ______ ______ ______ ______

बा____ ______ ______ ______ ______

अभ्यास-7

चित्र देखकर उसका नाम चार-चार बार लिखो।

______ ______ ______ ______

______ ______ ______ ______

______ ______ ______ ______

______ ______ ______ ______

उद्देश्य : चित्र पहचानकर उसका नाम लिखना

नवाँ पाठ

ऋषि

अभ्यास-1

तीर की दिशा के अनुसार वर्ण पूरा करो।

ऋ

ज्ञ

क्ष

त्र

श्र

उद्देश्य : वर्ण लेखन विधि

अभ्यास-2

वर्णों को आठ-आठ बार लिखो।

क्ष

त्र

ज्ञ

श्र

ऋ
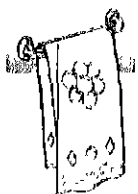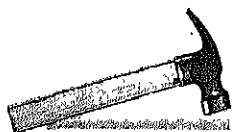
उद्देश्य : वर्ण लेखन अभ्यास

अभ्यास-3

नमूने के अनुसार शब्द बनाओ और पाँच-पाँच बार लिखो।

उद्देश्य : वर्णों को जोड़कर शब्द लिखना

नमूना

⇨ ज्ञा + न = ज्ञान

त्रे + ता = ______ ______ ______ ______ ______

श्र + म = ______ ______ ______ ______ ______

र + क्षा = ______ ______ ______ ______ ______

क्ष + ण = ______ ______ ______ ______ ______

श्रो + ता = ______ ______ ______ ______ ______

ऋ + षि = ______ ______ ______ ______ ______

ऋ + ण = ______ ______ ______ ______ ______

कृ + पा = ______ ______ ______ ______ ______

क्ष + मा = ______ ______ ______ ______ ______

अभ्यास-4

निम्नलिखित शब्दों को पाँच-पाँच बार लिखो।

उद्देश्य : शब्द लेखन अभ्यास

ज्ञान ______ ______ ______ ______ ______

यज्ञ ______ ______ ______ ______ ______

श्रीमान ______ ______ ______ ______ ______

आश्रम ______ ______ ______ ______ ______

त्रिशूल ______ ______ ______ ______ ______

कक्षा ______ ______ ______ ______ ______

क्षेत्र ______ ______ ______ ______ ______

ऋषि ______ ______ ______ ______ ______

चित्र ______ ______ ______ ______ ______

अभ्यास-5

चित्र देखकर शब्द को पूरा करो और चार-चार बार लिखो।

उद्देश्य : चित्र देखकर शब्द पूरा करना

____शूल ____ ____ ____ ____

____षि ____ ____ ____ ____
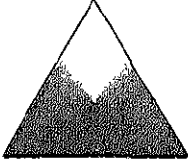
____भुज ____ ____ ____ ____
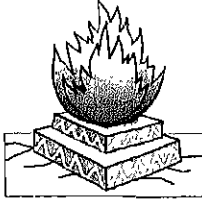
य____ ____ ____ ____ ____

अभ्यास-6

चित्र देखकर उसका नाम चार-चार बार लिखो।

उद्देश्य : चित्र देखकर शब्द लिखना

______ ______ ______ ______

______ ______ ______ ______

______ ______ ______ ______

______ ______ ______ ______

अभ्यास-7

निम्नलिखित वर्णों से बनने वाले दो-दो शब्द लिखो।

उद्देश्य : शब्द निर्माण अभ्यास

त्र ______ ______

श्र ______ ______

ज्ञ ______ ______

ऋ ______ ______

क्ष ______ ______

दसवाँ पाठ

ट्रैक्टर

अभ्यास-1

उद्देश्य : संयुक्त व्यंजन लेखन अभ्यास

संयुक्ताक्षरों को पाँच-पाँच बार लिखो।

व + क = क्क	______	______	______	______	______
व + ख = क्ख	______	______	______	______	______
व + य = क्य	______	______	______	______	______
स + म = स्म	______	______	______	______	______
स + त = स्त	______	______	______	______	______
स + न = स्न	______	______	______	______	______
क् + र = क्र	______	______	______	______	______
म् + र = म्र	______	______	______	______	______
प् + र = प्र	______	______	______	______	______
र् + क = र्क	______	______	______	______	______
र् + म = र्म	______	______	______	______	______
ट् + र = ट्र	______	______	______	______	______

अभ्यास-2

उद्देश्य : संयुक्त व्यंजनों से शब्द बनाना

संयुक्त व्यंजनों से शब्द बनाओ और लिखो।

क्क	=	पक्का	मक्का	चक्कर	ढक्कन
स्स	=	रस्सी	______	______	______
स्म	=	भस्म	______	______	______
ड्ड	=	अड्डा	______	______	______
ट्र	=	ट्राम	______	______	______

ड्र = ड्रम ______ ______ ______

प्र = प्रेम ______ ______ ______

क्र = क्रम ______ ______ ______

र्म = धर्म ______ ______ ______

अभ्यास-3

उद्देश्य : शब्द लेखन अभ्यास

निम्नलिखित शब्दों को पाँच-पाँच बार लिखो।

ट्रेन ______ ______ ______ ______ ______

क्रिकेट ______ ______ ______ ______ ______

समुद्र ______ ______ ______ ______ ______

वक्त ______ ______ ______ ______ ______

बच्चा ______ ______ ______ ______ ______

अच्छा ______ ______ ______ ______ ______

अभ्यास-4

चित्र देखकर शब्द पूरा करो और चार-चार बार लिखो।

उद्देश्य : चित्र देखकर शब्द पूरा करना

ब ______ ______ ______ ______ ______

ख ______ ______ ______ ______ ______

ट्रैक्टर
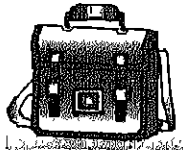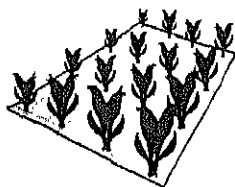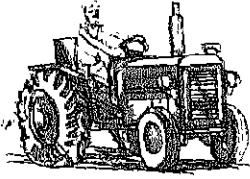
अभ्यास-5

कोष्ठक में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो।

उद्देश्य : शब्द चुनकर वाक्य पूरा करना

1. ———— सात दिन का होता है। (महीना/सप्ताह)
2. यह ———— चक्कर वाला है। (रास्ता/बस)
3. यह ———— दिल्ली जाती है। (गली / ट्रेन)
4. हमें ———— करना चाहिए। (कर्म/कुर्ता)
5. हम ———— खेलते हैं। (मुर्गा/कबड्डी)
6. बड़ा ———— पलंग पर है। (भद्दा/गद्दा)
7. यह मकान ———— है। (पक्का/छक्का)

अभ्यास-6 (पहेली)

पाठ के आधार पर अभ्यासपुस्तिका के अभ्यासों में दिए गए शब्द चुनकर पहेली में भरो।

		1			2		3	4			5
6											
			7				8		9		
		10									
	11				12					13	
									14		
		15				16					17
18				19							
								20			
21							22				
			23			24			25		

उद्देश्य : वर्ग पहेली के अनुसार शब्द निर्माण

दाएँ से बाएँ

3 मी— (दूसरा पाठ)

6 कल— (पहला पाठ)

7 गम— (तीसरा पाठ)

ऊपर से नीचे

1 आ— (पहला पाठ)

2 म— (तीसरा पाठ)

4 रा— (दूसरा पाठ)

9 इ— ली (चौथा पाठ)
11 झं— (पाँचवाँ पाठ)
12 मुर— (छठा पाठ)
14 —ढ़ी (सातवाँ पाठ)
18 नौ— (आठवाँ पाठ)
19 श्री—न (नवाँ पाठ)
20 अध्या—क (दसवाँ पाठ)
21 कम— (पहला पाठ)
23 —व (दूसरा पाठ)
24 —य (तीसरा पाठ)
25 आ—मी (दूसरा पाठ)

5 बि—ली (चौथा पाठ)
8 —गली (छठा पाठ)
10 —डा (पाँचवाँ पाठ)
13 सी— (सातवाँ पाठ)
15 —र (आठवाँ पाठ)
16 —न (नवाँ पाठ)
17 पु—क (दसवाँ पाठ)
21 क—ल (पहला पाठ)
22 को—ल (तीसरा पाठ)
23 —क (दूसरा पाठ)

पहेली के उत्तर

दाएँ से बाएँ

3 मीरा
6 कलम
7 गमला
9 इमली
11 झंडा
12 मुरली
14 दाढ़ी
18 नौकर
19 श्रीमान
20 अध्यापक
21 कमरा
23 नाव
24 गाय
25 आदमी

ऊपर से नीचे

1 आम
2 कमला
4 राजा
5 बिजली
8 उँगली
10 अंडा
13 सीढ़ी
15 ओर
16 ज्ञान
17 पुस्तक
21 कमल
22 कोयल
23 नाक

ग्यारहवाँ पाठ

हमारा घर

अभ्यास-1

नीचे बाक्स में वस्तुओं और व्यक्तियों के नाम दिए गए हैं, इन्हें छाँटकर तालिका में अलग-अलग लिखो।

फूल, मोहन, केला, साइकिल, गोपाल,
लड़का, सलमान बस, पेड़, साड़ी
जूता, आलू, सतीश, अध्यापक, अलमारी

व्यक्तियों के नाम	**वस्तुओं के नाम**
मोहन	केला
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________

अभ्यास-2

समान अर्थ वाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ।

नमस्कार	वृक्ष
सुंदर	बाग
फूल	प्रणाम
पेड़	खूबसूरत
बगीचा	पुष्प

अभ्यास-3

उद्देश्य : आकारांत पुल्लिंग संज्ञा का स्त्रीलिंग संज्ञा में परिवर्तन

नमूने के अनुसार शब्द बनाओ।

(क) **नमूना**

लड़का ⇨ लड़की

बकरा ________

घोड़ा ________

थैला ________

मुर्गा ________

बेटा ________

उद्देश्य : एकवचन आकारांत पुल्लिंग संज्ञा का बहुवचन में परिवर्तन

(ख) **नमूना**

एक कमरा ⇨ दो कमरे

एक केला - चार ________

एक बगीचा - तीन ________

एक रुपया - सात ________

एक बच्चा - पाँच ________

एक पत्ता - आठ ________

अभ्यास-4

उद्देश्य : विलोमार्थी विशेषणों का पूरक प्रयोग

सही शब्द चुनकर नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

(ठंडा, पुराना, पतला, गंदा)

नमूना

यह बगीचा **बड़ा** है। ⇨ वह बगीचा **छोटा** है।

1. **यह** मकान **नया** है। ________
2. **यह** कमरा **साफ** है। ________

3. **यह** दूध **गरम** है। ____________________

4. **यह** कागज **मोटा** है। ____________________

अभ्यास-5

पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो।

1. यह किसका घर है?
____

2. सतीश के घर में कितने कमरे हैं?
____

3. सतीश के घर में रसोई घर किधर है?
____

4. श्रीनिवासन का मकान कैसा है?
____

5. क्यारियों में कैसे फूल लगे हैं?
____

अभ्यास-6

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

(क) **नमूना**

यह पेड़ **लंबा है।** ⇨ **ये** पेड़ **लंबे** हैं।

1. **यह** लड़का **मोटा** है। ____________________

2. **यह** किताब **मेरी** है। ____________________

3. **यह** कमरा **छोटा** है। ____________________

4. **यह** केला **हरा** है। ____________________

5. **यह** फूल **लाल** है। ____________________

(ख) **नमूना**

यह पेड़ **हरा है।** (डाली)

⇨ यह डाली **हरी** है।

उद्देश्य : आकारांत विशेषण में प्रयोग

1. **यह** बस्ता **छोटा** है। (कलम)

2. **यह** कमरा **बड़ा** है। (खिड़की)

3. **यह** कपड़ा **अच्छा** है। (घड़ी)

4. **यह** पहाड़ **ऊँचा** है। (मीनार)

5. **यह** मकान **नया** है। (सड़क)

अभ्यास-7

साफ-साफ लिखो।

उद्देश्य : लेखन अभ्यास

श्रीनिवासन का मकान सुंदर है।

रंगबिरंगे फूल खिले हैं।

अमरूद का पेड़ छोटा है।

रसोई के पास स्नान घर है।

बारहवाँ पाठ

कपड़े की दुकान

अभ्यास-1

उद्देश्य : समानार्थी शब्दों की पहचान

समान अर्थ वाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ।

फ़िक्र	माँ
अब्बा	सही
शुक्रिया	चिंता
पानी	पिता
अम्मी	धन्यवाद
ठीक	जल

अभ्यास-2

उद्देश्य : वाक्य निर्माण

नीचे दी गई तालिका के प्रत्येक कॉलम से शब्दों को चुनकर दस वाक्य बनाओ।

सलमा को अकबर को मुझे पिताजी को	नई नया	सूट किताबें जूता सलवार	चाहिए।

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

अभ्यास-3

उद्देश्य : 'दार' प्रत्यय जोड़कर संज्ञा बनाना

नमूने के अनुसार शब्द बनाओ।

नमूना	
चमक ⇨ चमकदार,	किराया ⇨ किराएदार

छाया	__________	थाना	__________
दुकान	__________	मजा	__________
जागीर	__________	पहरा	__________
कर्ज	__________	दावा	__________
तहसील	__________	काँटा	__________

अभ्यास-4

उद्देश्य : सामाजिक प्रयोजन के लिए भाषा का प्रयोग सिखाना

कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो।

(शुक्रिया, सिर्फ, आदाब, परसों, फिक्र)

1. रहमान ने कहा, __________ गोपाल भाई, आइए।
2. दीपावली का त्योहार कल नहीं __________ है।
3. मोहन, __________ न करो, हम तुम्हारे जन्मदिन पर जरूर आएँगे।
4. गोपाल ने मुझे उपहार दिया, मैंने कहा __________।
5. मुझे शरबत नहीं, __________ ठंडा पानी दीजिए।

अभ्यास-5

उद्देश्य : वाक्य का आदेशात्मक प्रयोग करने के दो विकल्प सिखाना

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

(क)

नमूना
यह पत्र **अभी** भेजो।
⇨ **वह** पत्र **कल** भेजना।

1. **यह** काम **अभी** करो।

____

2. **यह** पाठ **अभी** पढ़ो ।

3. **ये** फल **अभी** खाओ।

4. **ये** चीजें **अभी** लाओ।

उद्देश्य : वाक्य का आदरार्थक प्रयोग सिखाना

(ख)

नमूना

तुम अपना **पाठ** पढ़ो।

⇨ **आप** अपना **पाठ** पढ़िए।

1. **तुम** अपना **बस्ता** लाओ।

2. **तुम** अपने **घर** जाओ ।

3. **तुम** अपनी **जगह** बैठो।

4. **तुम** कल **यहाँ** आओ।

अभ्यास-6

उद्देश्य : 'के पास' वाले वाक्य के निषेध के संदर्भ में 'चाहिए' का प्रयोग सिखाना

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

(क)

नमूना

सलमा **के पास** किताब नहीं है।

⇨ सलमा **को** किताब चाहिए।

1. अकबर **के पास** पैंट नहीं है।

2. माता जी **के पास** घड़ी नहीं है।

3. मारिया **के पास** साड़ी नहीं है।

___

4. गोपालन **के पास** कैमरा नहीं है।

___

उद्देश्य : 'चाहिए' और 'दीजिए' के प्रयोग को संदर्भ के अनुसार प्रयोग करना सिखाना

(ख) **नमूना**

पिताजी को गरम चाय **चाहिए**।

⇒ पिताजी को गरम चाय **दीजिए**।

1. सुधा को किताब **चाहिए**।

___

2. लड़कों को फुटबाल **चाहिए**।

___

3. मारिया को कलम **चाहिए**।

___

4. मुझे ताजे फल **चाहिए**।

___

उद्देश्य : 'चाहिए' क्रिया का प्रयोग निषेधात्मक रूप में करते हुए विकल्पवत वस्तु की इच्छा व्यक्त करना

(ग) **नमूना**

क्या आपको साड़ी चाहिए? (सलवार-सूट)

⇒ मुझे साड़ी **नहीं** सलवार-सूट चाहिए।

1. क्या आपको केला चाहिए? (सेब)

___

2. क्या आपको काफी चाहिए? (चाय)

___

3. क्या तुम्हें किताब चाहिए? (कॉपी)

___

4. क्या तुम्हें कलम चाहिए? (घड़ी)

___

5. क्या तुम्हें लड्डू चाहिए? (चाकलेट)

___

अभ्यास-7

उद्देश्य : पाठ बोध

पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो।

1. ईद पर अकबर को क्या चाहिए?
____

2. दुकानदार ने किस रंग के कपड़े दिखाए?
____

3. कपड़े खरीदने कौन-कौन बाजार गए?
____

4. मम्मी को सूट का कपड़ा क्यों पसंद नहीं आया?
____

5. दुकान के नौकर का नाम क्या था?
____

तेरहवाँ पाठ

तितली

अभ्यास-1

उद्देश्य : प्रत्यास्मरण

कविता की पंक्तियाँ पूरी करो।

1. रंग-बिरंगे पंख तुम्हारे, सबके मन को भाते हैं
 ____
2. पास नहीं क्यों आती तितली ______________
 फूल-फूल के कानों में जा, ______________
3. इस डाली से उस डाली पर, ______________
 हमसे क्यों शरमाती हो? ______________

अभ्यास-2

उद्देश्य : पर्यायवाची शब्दों की पहचान कराना

समान अर्थ वाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ।

भाते हैं	प्रसन्न होना
खुश होना	लुभाना
डाली	लजाना
शरमाना	अच्छे लगते हैं
ललचाना	शाखा

अभ्यास-3

उद्देश्य : विलोमार्थक शब्दों का निर्माण करना सिखाना

नमूने के अनुसार विपरीत अर्थ वाले शब्द लिखो।

नमूना
⇨ आना x जाना

पास x ______________

धीरे से x ______________

अच्छा x ________________

लेना x ________________

उद्देश्य : पाठ में आए भाषिक तत्वों का वाक्यों में प्रयोग करना सिखाना

अभ्यास-4

निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यो में प्रयोग करो।

रंग-बिरंगा ________________

____

हाथ न आना ________________

____

कानों में कहना ________________

____

शरमाना ________________

____

अभ्यास-5

पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो।

उद्देश्य : पाठ बोध

1. तितली के पंख कैसे होते हैं?

____

2. लोग तितली को क्या कह कर बुलाते हैं ?

____

3. कलियाँ और फूल तितली को देखकर क्या करते हैं?

____

4. तितली उड़-उड़ कर कहाँ जाती है?

____

अभ्यास-6

साफ-साफ लिखो।

सुंदर-सुंदर प्यारी तितली

आँखों को तुम भाती हो।

उद्देश्य : लेखन अभ्यास

चौदहवाँ पाठ

बातचीत

अभ्यास-1

उद्देश्य : क्रिया + 'ता, ती, ते' प्रयोग का लिंग और वचन की अन्वितियाँ सिखाना

कोष्ठक में से सही क्रियारूप चुनकर वाक्य पूरे करो।

1. तुम आजकल किस विद्यालय में पढ़ती ——— (है/हो/हैं)
2. ललिता जी अच्छा ——— हैं। (पढ़ाते/पढ़ाती)
3. मैं शाम को एक घंटे ——— (खेलता हूँ/खेलते हैं)
4. चाचा जी पार्क में ——— (टहलती हैं/टहलते हैं)
5. मेरे घर के पास एक मैदान ——— (हूँ/हो/है)

अभ्यास-2

उद्देश्य : प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया का निर्माण करना सिखाना

नमूने के अनुसार शब्द बनाओ।

नमूना

पढ़ना ⇨ पढ़ाना

लिखना ___________

सुनना ___________

चलना ___________

करना ___________

डरना ___________

अभ्यास-3

उद्देश्य : ता, ते, ती, वाली क्रिया संरचनाओं का दृढ़ीकरण

क्रिया रूप के साथ 'ता, ती, ते' का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित शब्दों की सहायता से वाक्य बनाओ।

अच्छी तरह ___________________________

____

आजकल ______________________

____

कभी-कभी ______________________

____

मज़ेदार ______________________

____

अभ्यास-4

उद्देश्य : सामान्य वर्तमान को सातत्य वर्तमान में बदलकर उनका अर्थ भेद सिखाना

कोष्ठक में दिए गए शब्दों की सहायता से नमूने के अनुसार वाक्य पूरे करो।

नमूना

गोपालन जी रोज गणित **पढ़ाते हैं**। (अंग्रेजी)

⇨ लेकिन आज वे अंग्रेजी **पढ़ा रहे हैं।**

1. महेश रोज क्रिकेट **खेलता है**। (फुटबाल)

   ______________________।

2. नानी जी हमें रोज कहानियाँ **सुनाती** हैं (गीत)

   ______________________।

3. पिता जी रोज सुबह काफी **पीते** हैं (चाय)

   ______________________।

4. मेरा भाई रोज स्कूटर से कालेज **जाता है** (बस)

   ______________________।

अभ्यास-5

उद्देश्य : सकारात्मक वाक्य से निषेधात्मक वाक्य बनाना

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

नमूना

मैं कॉफी **पीता हूँ** (चाय)

⇨ मैं चाय **नहीं पीता**।

1. मोहन क्रिकेट **खेलता है**। (फुटबाल)

   ____

2. शीला गाना **गाती है।** (नाचना)

3. पिताजी सवेरे **टहलते हैं।** (तैरते)

4. माता जी रोज दूध **पीती हैं।** (चाय)

5. वे बच्चे सायं को **खेलते हैं।** (पढ़ना)

अभ्यास-6

पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो।

1. सुजाता आजकल किस विद्यालय में पढ़ती है?

2. हिंदी अध्यापिका का नाम क्या है?

3. सुजाता भाई-बहनों के साथ कौन-सा खेल खेलती है?

4. शतरंज कैसा खेल ह?

5. योगासन करने से क्या लाभ होता है?

पंद्रहवाँ पाठ

पेड़

अभ्यास-1

कविता की पंक्तियाँ पूरी करो।

उद्देश्य : प्रत्यास्मरण

1. पेड़ हमें देते हैं छाया

   ____

   पेड़ हमें देते ऑक्सीजन

   ____

2. अपना गला कटाना है,

   ____

   का दस्तूर घटाना है।

   ____

अभ्यास-2

पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो।

उद्देश्य : पाठ बोध

1. पेड़ हमें क्या-क्या देते हैं?

   ____

   ____

2. घर सजाने की कौन-कौन सी चीजें लकड़ी से बनती हैं?

   ____

   ____

3. हमें कौन-सा दस्तूर मिटाना चाहिए

   ____

   ____

उद्देश्य : प्रथम पुरुष, मध्यम पुरुष तथा अन्य पुरुष सर्वनामों के साथ + को लगाकर इनके तिर्यक रूप सिखाना

अभ्यास-3

नमूने के अनुसार शब्द बनाओ।

नमूना
⇨ मैं + को = मुझे

वह + को ________________

यह + को ________________

हम + को ________________

तुम + को ________________

उद्देश्य : शब्द संयोजन अभ्यास

अभ्यास-4

नमूने के अनुसार साथ-साथ आने वाले शब्दों को लिखो।

नमूना
⇨ पेड़-पौधे

कुरसी ________________

घर ________________

लिखना ________________

खाना ________________

उद्देश्य : क्रिया के तीनों रूपों सामान्य, प्रथम प्रेरणार्थक, द्वितीय प्रेरणार्थक को सिखाना

अभ्यास-5

नमूने के अनुसार शब्द बनाओ।

नमूना
चलना ⇨ चलाना ⇨ चलवाना

करना ____________ ____________

बनना ____________ ____________

लिखना ____________ ____________

पढ़ना ____________ ____________

उद्देश्य : कविता की पंक्तियों को गद्य रूप में लिखना सिखाना

अभ्यास-6

नमूने के अनुसार कविता की पंक्तियों को गद्य रूप में लिखो।

नमूना

पेड़ हमें **देते हैं फल**

⇨ पेड़ हमें **फल देते हैं।**

1. पेड़ **बुलाते हैं बादल**

   ____

2. पेड़ हमें **देते हैं लकड़ी**

   ____

3. पेड़ हमें **देते हैं कागज़**

   ____

सोलहवाँ पाठ

सरकस

अभ्यास-1

उद्देश्य : संज्ञा + ई प्रत्यय से शब्द निर्माण सिखाना

नमूने के अनुसार शब्द बनाओ।

नमूना

मैदान ⇨ मैदानी

रेगिस्तान ____________

जवाब ____________

इमारत ____________

देहात ____________

अभ्यास-2

उद्देश्य : समय-सूचक शब्दों का वाक्यों में प्रयोग सिखाना

नमूने के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दो।

नमूना

सरकस **कितने बजे** शुरू होता है? (साढ़े पाँच बजे)

⇨ सरकस **साढ़े पाँच बजे** शुरू होता है।

1. स्कूल **कितने बजे** शुरू होता है? (साढ़े नौ)

____

2. फिल्म **कितने बजे** शुरू होती है?(सवा छह)

____

3. स्कूल **कितने बजे** बंद होता है? (दो बजे)

____

उद्देश्य : अनुभव के आधार पर व्यावहारिक प्रश्नों के उत्तर देना

अभ्यास-3

अपने अनुभव के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दो।

1 तुम सवेरे उठकर क्या करते/करती हो?

____

2 तुम्हारे पिताजी कहाँ काम करते हैं?

____

3 तुम्हारा भाई किस स्कूल में पढ़ता है?

____

4 तुम सुबह कितने बजे स्कूल जाते/जाती हो?

____

उद्देश्य : सामान्य वर्तमान को नित्य वर्तमान में बदलना सिखाना

अभ्यास-4

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

नमूना
यह पेड़ **हरा** है।
⇨ पेड़ **हरे होते** हैं।

1. यह पहाड़ **ऊँचा** है।

____

2. यह आम **मीठा** है।

____

3. यह करेला **कड़वा** है।

____

4. यह पुस्तक **ज्ञानवर्धक** है।

____

5. यह मीनार **सुंदर** है।

____

6. यह समुद्र **गहरा** है।

____

अभ्यास-5

उद्देश्य : नित्यता को प्रदर्शित करने वाले क्रिया रूपों (क्रिया+ते हैं) तथा (क्रिया+ते होते हैं) का वैकल्पिक प्रयोग सिखाना

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

नमूना

जोकर रंग-बिरंगे कपड़े **पहनते हैं।**

⇨ जोकर रंग-बिरंगे कपड़े **पहने होते हैं।**

1. मंदिर के बाहर फूल वाले **बैठते हैं।**
   ____
2. ट्रैफिक पुलिस वाले सफेद कपड़े **पहनते हैं।**
   ____
3. हम स्कूल जाते समय यूनिफार्म **पहनते हैं।**
   ____
4. सैनिक हाथ में बंदूक **पकड़ता है।**
   ____

अभ्यास-6

उद्देश्य : 'ता है, ती है, ते हैं' प्रयोग को नित्यता को सिखाना

कोष्ठक में दी गई क्रिया के सही रूप का प्रयोग करते हुए वाक्य पूरे करो।

1. मेरी माता जी सवेरे छह बजे __________ (स्नान करना)
2. मेरा भाई रात को देर तक __________ (पढ़ना)
3. मेरे पिता जी सुबह सात बजे __________ (सैर करना)
4. मेरी नानी जी सुबह चार बजे __________ (पूजा करना)

सत्रहवाँ पाठ

मदारी का तमाशा

अभ्यास-1

उद्देश्य : समान लगने वाले शब्दों से परिचित कराना

समान लगने वाले शब्दों को मिलाओ।

डुगडुगी	थैला
बाँसुरी	खेल
झोला	शहनाई
तमाशा	पगड़ी
घुंघरू	ढोलक
टोपी	पायल

अभ्यास-2

उद्देश्य : क्रिया विशेषण के पास में आए द्वित्व वाले रूपों को सिखाना

नमूने के अनुसार वाक्य पूरे करो।

> **नमूना**
>
> मोहन शीला के ——(साथ-साथ)
>
> ⇨ मोहन शीला के **साथ-साथ चल रहा है।**

1. पिताजी माँ के ———— (आगे-आगे)
2. माँ पिताजी के ———— (पीछे-पीछे)
3. पनडुब्बी पानी के ———— (अंदर-अंदर)
4. हम सड़क के ———— (किनारे-किनारे)

अभ्यास-3

उद्देश्य : प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया का रूप सिखाना

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

> **नमूना**
>
> बंदरिया **नाच रही है।** (मदारी)
>
> ⇨ मदारी बंदरिया को **नचा रहा है।**

1. शीला **हँस रही है।** (राघव)

____

2. भीड़ **हट रही है।** (पुलिस)

____

3. मोहन गणित **पढ़ रहा है।** (अध्यापक)

____

4. बच्चा धीरे-धीरे **चल रहा है।** (माँ)

____

अभ्यास-4

उद्देश्य : लिंग और वचन के अनुसार सातत्य वर्तमान के प्रयोग सिखाना

कोष्ठक में दी गई क्रियाओं से वाक्य पूरे करो।

(रहा हूँ, रहा है, रही है, रहे हैं, रही हैं)

1. मैं स्कूल जा ______________________________
2. पिता जी बगीचे में टहल ______________________________
3. शीला बाजार से आ ______________________________
4. लड़कियाँ कमरे में पढ़ ______________________________
5. लड़के मैदान में क्रिकेट खेल ______________________________

अभ्यास-5

उद्देश्य : भूतकाल का सातत्य वर्तमान में परिवर्तन करना सिखाना तथा सातत्य वर्तमान के भविष्यार्थक प्रयोग की पहचान कराना

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

नमूना

राघवन ने कल **हिंदी पढ़ी थी।** (गणित)

⇨ आज वह **गणित पढ़ रहा है।**

1. शीला पिछले सप्ताह **दिल्ली गई थी।** (पुणे)

   इस सप्ताह वह ______________________________
2. माँ पिछले महीने **मामा के यहाँ गई थी।** (मौसी के घर)

   इस महीने वह ______________________________
3. लड़के पिछले रविवार को **चिड़िया घर देखने गए थे।** (सरकस देखने)

   इस रविवार को वे ______________________________

4. लड़कियाँ पिछले सप्ताह **मैसूर गईं थीं**। (बैंगलूर)
इस सप्ताह वे ————————

अभ्यास-6

उद्देश्य : अनुभव के आधार पर व्यावहारिक प्रश्नों के उत्तर देना

अपने अनुभव के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो।

1. तुम आज शाम को क्या कर रहे हो?
____
2. शीला कल कहाँ जा रही है?
____
3. तुम्हारे पिताजी इस समय क्या कर रहे हैं?
____
4. तुम अभी क्या पढ़ रहे हो?
____
5. माँ सुबह-सुबह क्या कर रही हैं?
____

अभ्यास-7

उद्देश्य : नकारात्मक भाव के लिए संयुक्त वाक्य रचना सिखाना

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

नमूना

क्या तुम कल दिल्ली **जा रहे हो?** (बैंगलोर)
⇨ मैं कल दिल्ली नहीं **बैंगलोर जा रहा हूँ।**

1. क्या शीला सिनेमा देखने **जा रही है?** (सर्कस)
____
2. क्या मोहन इस समय **पढ़ रहा है?** (खेलना)
____
3. क्या पिताजी अखबार **पढ़ रहे हैं?** (पुस्तक)
____

4. क्या माताजी पूजा **कर रही हैं?** (स्नान)

____

5. क्या वे लोग बाज़ार **जा रहे हैं?** (मेला)

____

अभ्यास-8

पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो।

1. मदारी के कंधे पर क्या है?

____

2. बंदर किसके आगे-आगे चल रहा है?

____

3. मदारी क्या बजा रहा है?

____

4. बंदरिया कैसे नाच रही है?

____

अठारहवाँ पाठ

माँ

अभ्यास-1

उद्देश्य : पर्यायवाची शब्दों की पहचान कराना

समान अर्थ वाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ।

मानव	सबसे अच्छा
निर्माता	दुख दूर करने वाली
सर्वश्रेष्ठ	माता
दुख हरणी	मनुष्य
जननी	बनाने वाला

अभ्यास-2

उद्देश्य : कविता की पंक्तियों को गद्य रूप में लिखना सिखाना

नमूने के अनुसार कविता की पंक्तियों को गद्य रूप में लिखो।

> **नमूना**
> मानव हमें बनाया माँ ने
> ⇒ माँ ने हमें मानव बनाया।

1. सारा जगत बनाया माँ ने
   ____
2. सदा खिलाकर खाया माँ ने
   ____
3. बरसों दूध पिलाया माँ ने
   ____
4. सुख की गोद सुलाया माँ ने
   ____

अभ्यास-3

नमूने के अनुसार क्रिया रूप बदलो और अपने वाक्यों में प्रयोग करो।

उद्देश्य : कविता में आए प्रेरणार्थक क्रिया का भूतकालिक रूप बनाना सिखाना

नमूना

सिखाना – **सिखाया**

⇨ संगीत शिक्षक ने मुझे गाना **सिखाया**।

1. बनाना ____________________

2. पिलाना ____________________

3. खिलाना ____________________

4. सुनाना ____________________

5. मनाना ____________________

अभ्यास-4

पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो।

उद्देश्य : पाठ बोध

1. हमें मानव किसने बनाया है?
____

2. दुनिया में सबसे बड़ा तप क्या है?
____

3. माँ का आँचल कैसा है?
____

4. माँ की तुलना कवि ने किससे की है?
____

अभ्यास-5

उद्देश्य : कविता में आए शब्द तथा अभिव्यक्तियों का वाक्य में प्रयोग करना सिखाना

निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग करो।

1. तन-मन से

____

2. निर्माता

____

3. पाल-पोस कर

____

4. आदर

____

उन्नीसवाँ पाठ

ईश्वरचंद्र विद्यासागर

अभ्यास-1

उद्देश्य : संज्ञा + अक प्रत्यय के प्रयोग द्वारा शब्द-निर्माण सिखाना

नमूने के अनुसार शब्द बनाओ।

नमूना

सुधार ⇒ सुधारक

1. प्रचार ____________
2. लेख ____________
3. विचार ____________
4. उद्धार ____________

अभ्यास-2

उद्देश्य : एक ही कथन को भिन्न उक्तियों में व्यक्त करना सिखाना

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

नमूना

यहाँ **कोई** कुली नहीं है।

⇒ यहाँ **एक भी** कुली नहीं है।

1. यहाँ **कोई** होटल नहीं है।
____
2. यहाँ **कोई** अस्पताल नहीं है।
____
3. यहाँ **कोई** स्कूल नहीं है।
____
4. यहाँ **कोई** बस नहीं है।
____

अभ्यास-3

उद्देश्य : बलात्मक निपात 'ही' का प्रयोग सिखाना

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

नमूना

मेरा नाम विद्यासागर है।

⇨ मैं ही विद्यासागर हूँ।

1. मेरा नाम मोहन है।

   ____

2. मेरा नाम शीला है।

   ____

3. मेरा नाम राघवन है।

   ____

4. मेरा नाम पीटर है।

   ____

5. मेरा नाम सरोजा है।

   ____

अभ्यास-4

उद्देश्य : क्रिया विशेषण का सटीक प्रयोग करना सिखाना

कोष्ठक में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो।

(सवेरे, शाम को, दोपहर को, सुबह-सुबह, रात को)

1. मोहन हैदराबाद से ____________________ आया।
2. शीला स्कूल से ____________________ आई।
3. माँ मंदिर से ____________________ आई।
4. पिता जी पुरी से ____________________ आए।
5. चाचा जी पटना से ____________________ आए।

अभ्यास-5

उद्देश्य : एक ही कथन को भिन्न उक्तियों में व्यक्त करना सिखाना

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

नमूना
क्या मैं आपका सामान **उठा** लूँ?
⇨ **लाइए,** मैं आपका सामान उठा लूँ।

1. **क्या मैं** आपका सर दबा दूँ?
   ____
2. **क्या मैं** आपका बिस्तर बिछा दूँ?
   ____
3. **क्या मैं** आपका तौलिया धो दूँ?
   ____
4. **क्या मैं** आपका सामान रख दूँ?
   ____

अभ्यास-6

उद्देश्य : सामान्य 'वह' और बलार्थक 'वही' का व्यतिरेकी प्रयोग सिखाना

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

नमूना
मुझे **वह** किताब चाहिए।
⇨ मुझे **वही** किताब चाहिए।

1. आप **यहाँ** बैठिए।
   ____
2. तुम **वहाँ** बैठो।
   ____
3. क्या तुम्हें **यह** कहानी अच्छी लगी?
   ____
4. सभी किताबें **इस** आलमारी में रखो।
   ____

अभ्यास-7

उद्देश्य : अन्य पुरुष सर्वनाम का प्रेरणार्थक प्रयोग सिखाना

नमूने के अनुसार वाक्य बनाओ।

नमूना

पिताजी दिल्ली से **कब** लौटे ? (कल)

⇨ वे दिल्ली से **कल** लौटे।

1. शीला जी बाजार **कब** गईं? (पाँच बजे)
2. प्रधानाचार्य बालसभा में **किस** पर बोले? (अनुशासन)
3. माँ गाँव से **कब** आईं? (परसों)
4. जानसन साहब घर से **कब** निकले? (सुबह)

अभ्यास-8

उद्देश्य : पाठ बोध

पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो।

1. जब युवक स्टेशन पर उतरा तो उसके पास क्या था?
2. कुली को न देखकर युवक ने क्या कहा?
3. गाड़ी से जो आदमी उतरा उसकी पोशाक कैसी थी?
4. उस युवक ने आदमी से क्या कहा?
5. अंत में युवक क्या समझ गया ?

बीसवाँ पाठ

तोड़ो नहीं जोड़ो

अभ्यास-1

उद्देश्य : विलोम शब्दों का निर्माण

नमूने के अनुसार निम्नलिखित शब्दों के विपरीत अर्थ वाले शब्द लिखो।

नमूना

⇨ प्यार X घृणा

जोड़ो X ____________

शुद्ध X ____________

धनवान X ____________

नई X ____________

अभ्यास-2

उद्देश्य : पाठ की संरचना के आधार पर नकारात्मक वाक्य-रचना सिखाना

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

नमूना

मोहन ने शीला को बहुत डराया

⇨ मोहन ने शीला को बहुत डराया **पर वह डरी नहीं।**

1. माँ ने शीला को बहुत उठाया
____

2. पिताजी ने मोहन को बहुत समझाया
____

3. अध्यापक ने छात्रों को बहुत सिखाया
____

4. मोहन ने कुत्ते को बहुत भगाया
____

5. हमने चाचाजी को बहुत मनाया
____

अभ्यास-3

निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग करो।

उद्देश्य : वाक्य निर्माण सिखाना

1. निडर
___
2. शुद्ध
___
3. पकवान
___
4. शरण
___
5. पत्ता
___

अभ्यास-4

'लेना' क्रिया का प्रयोग करके नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

उद्देश्य : 'पहनना' और 'पहन लेना' का वैकल्पिक प्रयोग सिखाना

नमूना

मोहन रोज़ सवेरे कोट **पहनता** था।

⇨ मोहन रोज़ सवेरे कोट **पहन लेता** था।

1. शीला रोज़ बगीचे से फूल **तोड़ती** थी।
___
2. मोहन शीला के मन की बात **जानता** था।
___
3. मोहन रोज़ पाठ याद **करता** था।
___

अभ्यास-5

उद्देश्य : 'करना' और 'कर देना' का वैकल्पिक प्रयोग सिखाना

कोष्ठक में दी गई क्रिया को पहली क्रिया से जोड़कर नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

नमूना

भगवान बुद्ध ने उसे क्षमा **किया** (देना)

⇨ भगवान बुद्ध ने उसे क्षमा **कर दिया।**

1. मैंने बगीचे में एक पेड़ **लगाया।** (देना)

   ____

2. मोहन ने मुझे रास्ता **दिखाया।** (देना)

   ____

3. मैंने सोहन को नया काम **बताया।** (देना)

   ____

4. शेर ने लोमड़ी को **छोड़ा।** (देना)

   ____

अभ्यास-6

उद्देश्य : सामान्य वर्तमान और सामान्य भूतकाल का रूपांतरण सिखाना

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

नमूना

मछली हाथ से **फिसल जाती है।**

⇨ मछली हाथ से **फिसल गयी।**

1. मोहन बस से **गिर जाता है।**

   ____

2. शीला चलते-चलते **बैठ जाती है।**

   ____

3. लड़का मिठाई देखकर **ललचा जाता है।**

   ____

4. पिताजी बैठे-बैठे **सो जाते हैं।**

____

5. राम नाश्ता करके **खेलने जाता है।**

____

अभ्यास-7

'तोड़ो नहीं, जोड़ो' पाठ का साराँश अपने शब्दों में लिखो।

उद्देश्य : पाठ का सारांश लिखना सिखाना

इक्कीसवाँ पाठ

बादल पानी बरसाता है

अभ्यास-1

उद्देश्य : प्रत्यास्मरण

कविता की पंक्तियाँ पूरी करो।

1. ये बादल कैसे बनते हैं

   ____

   फिर कैसे बरसाते पानी

   ____

2. ____________________

   घना अंधेरा छा जाता है।

   ____

   बादल पानी बरसाता है।

अभ्यास-2

उद्देश्य : 'एँ' प्रत्यय लगाकर बहुवचन बनाना

नमूने के अनुसार बहुवचन रूप बनाओ।

नमूना
हवा ⇨ हवाएँ

दवा ____________________

छात्रा ____________________

बालिका ____________________

महिला ____________________

उद्देश्य : पर्यायवाची शब्दों की पहचान कराना

अभ्यास-3

नमूने के अनुसार समान अर्थ वाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ।

बारिश	सर्दी
गगन	अंधकार
ठंडक	मेघ
बादल	वर्षा
अंधेरा	आकाश

उद्देश्य : क्रिया + पर संरचना सिखाना

अभ्यास-4

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

नमूना

राजन छत पर गया। **(सीढ़ी चढ़ना)**

⇨ राजन **सीढ़ी चढ़कर** छत पर गया।

1. पिताजी घूमने गए। **(चाय पीना)**

   ____

2. मेरा छोटा भाई आ गया। **(गेंद खेलना)**

   ____

3. राधिका वापस आ गई। **(गाना सीखना)**

   ____

4. छोटी बच्ची सो गई। **(लोरी सुनना)**

   ____

उद्देश्य : कविता की पंक्तियों का प्रत्यास्मरण

अभ्यास-5

रेखा खींचकर सही वाक्य मिलाओ और लिखो।

बादल गरज-गरजकर	बादलों में छिप जाती है
वर्षा ऋतु में रिमझिम-रिमझिम	चोरों को भगा देते हैं
बिजली चमक-चमक कर	पानी बरसाते हैं।
कुत्ते भौंक-भौंक कर	पानी बरसता है।

1. कुत्ते भौंक-भौंक कर चोरों को भगा देते हैं।
2. ______________________
3. ______________________
4. ______________________

अभ्यास-6

पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो।

1. बादल पानी कैसे बरसाता है?

   ____

2. गरम हवा किस मौसम में चलती है?

   ____

3. भाप जमकर क्या बन जाती है?

   ____

4. बादल को दूर-दूर तक कौन ले जाती है?

   ____

बाईसवाँ पाठ

पत्र

उद्देश्य : उपसर्ग के प्रयोग द्वारा शब्द निर्माण सिखाना

अभ्यास-1

नमूने के अनुसार शब्द बनाओ।

नमूना

कुशल ⇨ सकुशल

प्रेम ____________

हर्ष ____________

परिवार ____________

आदर ____________

उद्देश्य : अभिवादन का सही प्रयोग करना सिखाना

अभ्यास-2

नमूने के अनुसार रिश्ते के शब्दों को अभिवादन शब्दों से सही-सही मिलाओ।

नमूना

पिताजी ⇨ सादर प्रणाम

रिश्ते के शब्द	**अभिवादन के शब्द**
पिताजी	प्यार
माताजी	नमस्ते
छोटा भाई	चरण स्पर्श
मित्र	सादर प्रणाम

उद्देश्य : भाषा की औपचारिकता सिखाना

अभ्यास-3

'श्री' और 'श्रीमती' जोड़कर पाँच पुरुषों और पाँच स्त्रियों के नाम लिखो।

पुरुषों के नाम

1. ________________
2. ________________
3. ________________
4. ________________
5. ________________

स्त्रियों के नाम

1. ________________
2. ________________
3. ________________
4. ________________
5. ________________

उद्देश्य : भाषा के प्रयोजनमूलक रूप का स्व-प्रयोग करना

अभ्यास-4

पत्र के लिफाफे का नमूना दिया गया है। नीचे लिखे शब्दों को लिफाफे पर सही जगह लिखो।

(पिन कोड, प्रेषक, सेवा में, श्री, डॉ. प्रो.)

____

________________ दिलीप सिंह
दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, आंध्र प्रदेश
खैरताबाद, हैदराबाद
____

____
राजेश कुमार
नई दिल्ली
____

उद्देश्य : मध्यम पुरुष सर्वनाम का सम्मान संदर्भित रूप सिखाना

अभ्यास-5

कोष्ठक में दिए गए शब्दों को नीचे सही जगह पर लिखो।

(आपका, आपकी, तुम्हारा, तुम्हारी)

____________________ पुत्र

____________________ मित्र

____________________ दीदी

____________________ पुत्री

उद्देश्य : भाषा का प्रयोजनमूलक रूप का स्व-प्रयोग करना

अभ्यास-6

नीचे दिए गए प्रारूप में अपने मित्र को पत्र लिखो तथा पत्र में अपने विद्यालय की जानकारी दो।

तेईसवाँ पाठ

शेर और लोमड़ी

अभ्यास-1

उद्देश्य : शब्द पर्यायों की पहचान कराना

समान अर्थ वाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ।

दरवाज़ा	पुरस्कार
फैसला	मदद
इनाम	सबेरे
सहायता	द्वार
प्रातः	निर्णय

अभ्यास-2

उद्देश्य : संयुक्त क्रिया को व्यतिरेक में सिखाना

नमूने के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों की सहायता से वाक्य बदलो।

नमूना

मोहन ने बिल्ली को **पकड़ लिया**। (छोड़ देना)

⇨ मोहन ने बिल्ली को **छोड़ दिया**।

1. रमेश ने कुत्ते को **बाँध दिया**। (खोल देना)

   ____

2. शेर पिंजरे में **घुस गया**। (निकल आना)

   ____

3. चौकीदार ने फाटक **बंद कर दिया**। (खोल देना)

   ____

अभ्यास-3

उद्देश्य : संयुक्त क्रिया 'लेना' का प्रयोग सिखाना

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

नमूना

शिक्षक ने पुस्तक **खोली**। (लेना)

⇨ शिक्षक ने पुस्तक **खोल ली**।

1. मोहन ने कलम **खरीदी है**। (लेना)

   ____

2. शीला ने किताब **पढ़ी**। (लेना)

3. राम ने आम **खाया**। (लेना)

4. शेर ने लोमड़ी को **पकड़ा**। (लेना)

अभ्यास-4

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

उद्देश्य : आदेशात्मक वाक्य से इच्छार्थक (चाहता-चाहती-चाहते) बनाना

नमूना

पिताजी को **चाय पिलाओ**।

⇨ पिताजी चाय **पीना चाहते हैं**।

1. गुरुजी को मिठाई **खिलाओ**।

2. छोटे बच्चे को **सुलाओ**।

3. गोपालन को हिंदी **पढ़ाओ**।

4. सुधा को कहानी **सुनाओ**।

अभ्यास-5

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

उद्देश्य : सामान्य भूतकाल से 'चाहता था' संरचना निर्मित करना सिखाना

नमूना

मैं दिल्ली **गया**।

⇨ मैं दिल्ली **जाना चाहता था**।

1. मोहन बाज़ार **गया**।

2. मैं गोवा **गया**।

____

3. शीला स्टेशन **पहुँची**।

____

4. मामाजी हमारे घर **आए**।

____

5. माताजी मंदिर **गईं**।

____

अभ्यास-6

उद्देश्य : आकारवाची अतिरिक्त इकाई - 'सा' का प्रयोग सिखाना

नमूने के अनुसार शब्द बनाओ।

नमूना

छोटा पिंजरा ⇨ छोटा-सा पिंजरा

बड़ा कमरा _______________

छोटी गुड़िया _______________

नन्हा बच्चा _______________

छोटी नदी _______________

सुंदर फूल _______________

अभ्यास-7

उद्देश्य : 'आज्ञार्थक' तथा चुनौती के भाव वाले वाक्यों का रूपांतरण सिखाना

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

नमूना

तुम पिंजरे में **जाओ**।

⇨ तुम पिंजरे में जाकर **दिखाओ**।

1. तुम वर्णमाला **लिखो**।

____

2. तुम सुबह पाँच बजे **उठो**।

   ____

3. तुम बक्सा **खोलो**।

   ____

4. तुम पत्र **लिखो**।

   ____

5. तुम खाना **बनाओ**।

   ____

अभ्यास-8

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

नमूना

मोहन हिंदी **पढ़ना चाहता** है।

⇨ मोहन हिंदी **पढ़ सकता** है।

1. सलमा भजन **गाना चाहती** है।

   ____

2. पिताजी अखबार **पढ़ना चाहते** हैं।

   ____

3. पीटर संगीत **सीखना चाहता** है।

   ____

4. बच्चे नदी में **तैरना चाहते** हैं।

   ____

5. हम पहाड़ पर **चढ़ना चाहते** हैं।

   ____

उद्देश्य : 'इच्छा' और 'सामर्थ्य' के भाव से व्यक्त करने वाली + ता, + ती, + ते संरचना सिखाना

अभ्यास-9

आने वाली छुट्टियों में घर जाकर तुम क्या-क्या करना चाहोगे? (चाहता हूँ/ चाहती हूँ) क्रिया का प्रयोग करते हुए लिखो।

उद्देश्य : अनुभव के आधार पर निश्चित क्रिया संरचना का प्रयोग करते हुए वाक्य निर्माण सिखाना

चौबीसवाँ पाठ

बढ़े चलो

अभ्यास-1

उद्देश्य : प्रत्यास्मरण

कविता की पंक्तियाँ पूरी करो।

1. हाथ में ध्वजा रहे,
   ____
   ____
   दल कभी रुके नहीं।
2. ____________________
   संग हो न साथ हो,
   सूर्य से बढ़े चलो,
   ____

अभ्यास-2

उद्देश्य : पर्यायवाची शब्दों की पहचान कराना

समान अर्थ वाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ।

ध्वजा	सूरज
निडर	बादल
मेघ	चाँद
सूर्य	झंडा
चंद्र	निर्भय

अभ्यास-3

उद्देश्य : विपरीतार्थक शब्द सिखाना

विपरीत अर्थ वाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ।

गर्मी	सायं
रात	पीछे
वीर	सर्दी
प्रातः	दिन
सामने	कायर

अभ्यास-4

पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो।

उद्देश्य : पाठ बोध

1. वीरों के हाथ में क्या रहना चाहिए?

   ____

2. वीरों को निडर होकर क्या करना चाहिए?

   ____

3. मेघ और बिजलियाँ क्या-क्या करते हैं?

   ____

4. वीरों को किस-किस की तरह आगे बढ़ना चाहिए?

   ____

अभ्यास-5

विशेषता के अनुसार रेखा खींचकर सही मिलान करो।

उद्देश्य : प्राणियों की आवाज से संबंधित क्रियाओं की पहचान कराना

सिंह	कड़कती हैं।
मेघ	भौंकता है।
बिजलियाँ	चिंघाड़ता है।
हाथी	दहाड़ता है।
कुत्ता	गरजते हैं।

पच्चीसवाँ पाठ

यात्रा की तैयारी

अभ्यास-1

उद्देश्य : 'चाहिए' क्रिया के प्रयोग द्वारा वाक्य निर्माण

तालिका के प्रत्येक कॉलम से एक-एक वाक्यांश लेकर वाक्य बनाओ।

दो-चार दिन के लिए चार-छह महीने के लिए एक-दो सप्ताह के लिए चार-पाँच दिन के लिए	मकान तुम्हारी किताब नौकरानी होटल में एक कमरा	चाहिए।

अभ्यास-2

उद्देश्य : एक ही कथन को भिन्न युक्तियों में व्यक्त करना

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

> **नमूना**
> तुम्हें यात्रा में सामान **कम रखना चाहिए।**
> ⇨ **देखो**, सामान **कम रखना**।

1. सभी को मिठाई **कम खानी चाहिए।**

2. विद्यार्थियों को आराम **कम करना चाहिए।**

3. बच्चों को स्कूल में शरारत नहीं **करनी चाहिए।**

____

4. कक्षा में शोर नहीं **करना चाहिए।**

____

अभ्यास-3

उद्देश्य : 'रखना है' और 'रखेंगे' के प्रयोग से एक ही कथन को भिन्न युक्तियों में व्यक्त करना

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

नमूना

चादर इस बैग में और खाना दूसरे बैग में **रखना** है।

⇨ चादर इस बैग में और खाना दूसरे बैग में **रखेंगे**।

1. अलमारी इस कमरे में और टी.वी. दूसरे कमरे में **रखना है।**

____

2. किताबें बस्ते में और खाना टिफिन बाक्स में **रखना है।**

____

3. सब्जी रसोई घर में और साबुन स्नानघर में **रखना है।**

____

4. टिकट ज़ेब में और पैसे पर्स में **रखना है।**

अभ्यास-4

उद्देश्य : 'लेना' का संयुक्त क्रिया रूप सिखाना

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

नमूना

पिताजी ने टिकट **खरीदा।**

⇨ पिताजी टिकट **खरीद लाए।**

1. मोहन ने चॉकलेट **खरीदी।**

____

2. उन्होंने कपड़े **खरीदे।**

____

3. हमने कुछ किताबें **खरीदीं।**

____

4. शीला ने कई साड़ियाँ **खरीदीं।**

____

5. राम ने ताजी सब्जियाँ **खरीदीं।**

____

अभ्यास-5

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो।

उद्देश्य : 'होना' और 'करना' के प्रयोग से एक ही कथन को भिन्न उक्तियों में व्यक्त करना सिखाना

नमूना

बच्चे मेला देखने के लिए **तैयार होने लगे।**

⇨ बच्चे मेला देखने की **तैयारी करने लगे।**

1. हम लोग सिनेमा जाने के लिए **तैयार होने लगे।**

____

2. सभी लोग प्रदर्शनी जाने के लिए **तैयार होने लगे।**

____

3. शीला और मोहन क्रिकेट खेलने के लिए **तैयार होने लगे।**

____

4. माँ और पिताजी पूजा करने के लिए **तैयार होने लगे।**

____

5. राम और पीटर बाज़ार जाने के लिए **तैयार होने लगे।**

____

अभ्यास-6

कोष्ठक में दिए वाक्यांशों का प्रयोग करते हुए नमूने के अनुसार वाक्य पूरे करो

उद्देश्य : क्रिया विशेषण का उचित प्रयोग सिखाना

नमूना

हम —— पहुँचे। (आराम से, दिल्ली)

⇨ हम आराम से दिल्ली पहुँचे।

1. हम ______________ पहुँचे। (समय से, मैसूर)
2. हम ______________ पहुँचे। (शांति से, कक्षा में)
3. हम ______________ पहुँचे। (चुपके से, कमरे में)
4. हम ______________ पहुँचे। (धीरे से, घर में)

छब्बीसवाँ पाठ

गायक गधा और चतुर सियार

अभ्यास-1

नीचे दिए गए कथन किसने, किससे कहा, चित्रकथा के आधार पर उत्तर दो।

उद्देश्य : प्रत्यास्मरण

कथन	**किसने कहा**	**किससे कहा**
वाह ! ताजा ककड़ियाँ।	______________	______________
मित्र ! मजा आ गया।	______________	______________
लेने के देने पड़ जाएँगे।	______________	______________
अरे ! लगता है खेत में गधे आ गए हैं।	______________	______________
चल भाग यहाँ से।	______________	______________
हाय ! मैं मर गया।	______________	______________

अभ्यास-2

चित्रकथा के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो।

उद्देश्य : चित्रकथा के संवादों के आधार पर उत्तर देना

1. ककड़ियाँ खाकर पेट भर गया, तो गधे ने क्या कहा?
   ____
2. सियार ने गधे को क्या समझाया?
   ____
3. गधे की आवाज़ सुनकर किसान ने क्या कहा?
   ____
4. किसान को देखकर सियार ने क्या किया?
   ____
5. डंडे बरसाने के बाद किसान ने गधे से क्या कहा?
   ____
6. सियार ने गधे को समझाते हुए क्या कहा?
   ____

अभ्यास-3

चित्रकथा के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो।

1. ककड़ी के खेत में गधे और सियार ने क्या किया?

____

2. पेट भर जाने पर गधे को कैसा लगा?

____

3. इस चित्र कथा से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

____

अभ्यास-4

दिए गए वाक्यांशों को जोड़कर चित्रकथा के अनुसार सही वाक्य बनाओ।

1. फिर खेत में घुसा तो	भागा आया।
2. क़िसान लाठी लेकर	खड़ा हुआ।
3. खेत से बाहर	सफाई दी।
4. गधे ने अपनी	खदेड़ दिया।
5. सियार भाग	जान से मार दूँगा।

1. ______________________________
2. ______________________________
3. ______________________________
4. ______________________________
5. ______________________________

सत्ताईसवाँ पाठ

अब पछताने से क्या होगा

अभ्यास-1

उद्देश्य : चित्रकथा के संवादों के आधार पर उत्तर देना

नीचे दिए गए कथन किसने, किससे कहा, चित्रकथा के आधार पर उत्तर दो।

कथन	किसने कहा	किससे कहा
तू तो मेरा बेटा है।	____________	____________
सुनो, मैं पानी लेने जा रही हूँ।	____________	____________
अपने भाई का ख्याल रखना।	____________	____________
माँ इतनी खुश होगी।	____________	____________
हाय ! मैंने यह क्या कर दिया।	____________	____________
कोई भी काम सोच-समझकर ही करना चाहिए।	____________	____________

अभ्यास-2

उद्देश्य : प्रत्यास्मरण

चित्रकथा के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो।

1. माँ ने अपने बच्चे के बारे में नेवले से क्या कहा?
   ____
2. पिता नेवले से क्या कह कर बाहर गया?
   ____
3. नेवले के मुँह में खून देखकर माँ ने नेवले से क्या कहा?
   ____
4. घर में साँप को मरा देखकर माँ ने क्या सोचा?
   ____
5. पति ने पत्नी को क्या समझाया?
   ____

उद्देश्य : चित्रकथा के निर्देशों के आधार पर उत्तर

अभ्यास-3

चित्रकथा के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो।

1. नेवला क्यों उदास रहता था?

   ____

2. जब साँप बच्चे की तरफ बढ़ा तो नेवले ने क्या किया?

   ____

3. साँप को मार कर नेवला जब बाहर आया तब वह क्या करने लगा?

   ____

अभ्यास-4

उद्देश्य : वाक्य निर्माण और अभिव्यक्ति प्रयोग

दिए गए अंशों को जोड़कर चित्रकथा के अनुसार सही वाक्य बनाओ।

1. सुनो	मैं तो भूल ही गया।
2. ज़रा	तूने मेरे बेटे को काट खाया।
3. अरे!	बच्चे का ध्यान रखना।
4. अरे पापी !	यह मैंने क्या कर दिया।
5. हाय !	मैं पानी लेने जा रही हूँ।

1. ____________________
2. ____________________
3. ____________________
4. ____________________
5. ____________________

गांधी जी का जन्तर

तुम्हें एक जन्तर देता हूं। जब भी तुम्हें सन्देह हो या तुम्हारा अहम् तुम पर हावी होने लगे, तो यह कसौटी आजमाओ :

जो सबसे गरीब और कमजोर आदमी तुमने देखा हो, उसकी शकल याद करो और अपने दिल से पूछो कि जो कदम उठाने का तुम विचार कर रहे हो, वह उस आदमी के लिए कितना उपयोगी होगा। क्या उससे उसे कुछ लाभ पहुंचेगा? क्या उससे वह अपने ही जीवन और भाग्य पर कुछ काबू रख सकेगा? यानि क्या उससे उन करोड़ों लोगों को स्वराज्य मिल सकेगा जिनके पेट भूखे हैं और आत्मा अतृप्त है?

तब तुम देखोगे कि तुम्हारा सन्देह मिट रहा है और अहम् समाप्त होता जा रहा है।

मो॰ क॰ गांधी

The visual and tactile materials should be given in different sizes and colours. The teaching aids should be of interest to both the hearing impaired as well as the hearing children.

- Listing of objects and pictures should follow principle of associations for better learning. In case the teachers find any difficulty in providing the same learning experiences to the hearing impaired, then that activity should be modified/substituted. Omission of teaching the concept in integrated class should be done only when the teacher feels that teaching of these concept is going to consume more time and may create feeling of boredom among the hearing children. The omitted concepts need to be taught by the teacher after the class or in the resource room.

- Teaching should be based on the earlier learning experience of the child. If the teaching is planned in relation to earlier experiences, it helps the child in better performance in the activity given. This may result in positive reinforcement which may sustain his/her interest for learning.

- The principles of known to unknown, simple to complex, etc., advocated for the hearing children need to be followed for these children also for developing learning materials.

- For making these children understand the difficult concepts, the teacher needs to provide concrete situations as a very simple learning exercise for the hearing child, may be complicated for the hearing impaired child. This child requires specific instructions for specific task. Sometimes, the teacher has to explain things through dramatization and creating real situations.

- For effective participation the teacher should ask small questions to these children which require either one word or two word answers at least at lower grades. The questions asked should be very clear and to the point.

3.7.2. Specific Guidelines For Adaptations Of Science Curriculum

In addition to the above, the following specific guidelines are also suggested for adaptation in environmental series-II (Science) for the hearing impaired in IED setting.

- Science terminology used in the class should be explained with their meaning and clear illustrations before teaching the concept. This work should be done by the resource teacher.

- The phrases and keywords used in the text need to be explained for developing better understanding. These

hearing impaired children require more concrete situations for learning more vocabulary and phrases.

- The material should be presented in such a way that it provides compensatory inputs to both the hearing impaired and hearing children for understanding the taught concept clearly.

- The comprehension level of these children should also be taken into account while teaching science concepts to them as some children are very poor in comprehension of spoken language than written.

- Aids and equipments required for teaching a particular concept of science need to be prepared well in advance by resource teacher with the help of regular teacher (subject teacher).

- Three dimension models should be used for teaching science concepts at primary level. Teacher should also try to use real objects and models as far as possible to make them clear on the concept taught in the class.

- Short trips and educational excursions should be arranged in order to provide opportunity for self exploration of the environmental things and discovery methods are considered to be more effective than the chalk and talk method.

- While providing instructions about the topic that has to be taught to the integrated class, the teacher should be clear about the basic attributes to be covered and also about making children understand the particular concept.

- While teaching the attributes relating to the concept of sound, the sound component should be supplemented with more visual cues to provide a clear understanding.

- Teacher should also determine the limits for providing various situations and examples needed for teaching a particular concept. Beyond her limits, the teacher should involve the resource teacher for teaching the difficult concept.

- Guidelines for the parents should be given and they should include more explanation and description to be given at home for developing scientific attitudes among these children.

- Teacher should enable the hearing impaired to develop abilities to discriminate, generalize, recognise and define the science concepts taught to them.

On the basis of the above mentioned guidelines for Science, this handbook was developed and used for the hearing impaired studying in IED and Special schools as an experimental material.

3.8.0. Description Of The Science Achievement Test

3.8.1. Besides handbook on adaptation of Science Achievement tests were also developed for Classes I-VII to assess effectiveness of the experimental material. The description of these tests is as follows:

3.8.2.0. Science Achievement Test

Class I & II

3.8.2.1. Description of the Test:

The test items for class I and II consisted of four main items. Each main item consisted of 5 sub-items.

Item No.I was of multiple choice type. For each question three answers were given. The students had to read and select the correct answer for filling in the blank.

Item No.II was of 'Fill in the blank' type, in which all the five answers were given first within the brackets. The students had to fill the appropriate answer in the respective blank.

Item No.III consisted of different figures, in the which the students had to see the picture and then answer the question given below.

For example:-

The figure of birds was given and few parts of the body of birds was mentioned above. The students were asked to label its parts accordingly.

Item No.IV was 'Match the following' type questions. Five items were given in 'Part-A' column and five items were given in 'Part-B' column. The students were asked to match the items of the column 'A' with the items of the column 'B'.

An example of each item of the test was worked out for the easy understanding of the test items.

3.8.2.2. Administration of the Test

The test was administered to the children individually. When the students found it difficult to understand, the help of the class-teacher was taken. No time limit was kept for the test.

3.8.2.3. Scoring of the Test

There were four main items. Each item had five sub-items. Each main item carried 5 marks and each mark was distributed for each item. The total marks was 20 for this test. Thus each correct response carried one mark.

3.8.3.0. Scienc Achievement Test

Class III

3.8.3.1. Description of the Test:

For class-III there were XII main items.

Item No.I comprised of ten sub-items which were of multiple choice questions and answers. Below each question, three answers were given. The students had to select the correct answer to fill in the blank given in the question.

Item No.II comprised of five sub-items which were of 'Fill in the blank' type. For five items their respective answers were given within the brackets. The students were asked to fill in the blanks by selecting the respective correct answers.

In item No.III the students were asked to draw the figure of a plant and to label the given parts.

In item No.IV again the students were asked to draw the figure of a man and to label the given parts.

In item No.V a picture of a bird was given and the students were asked to label its parts and to give the function of each part.

In item No.VI few man made and natural things were given and the students were asked to group the man made things with the natural things.

In item No.VII few living and non living things were given and the students were asked to circle the living things.

In item No.VIII the question given was of the 'Match the following' type. There were two columns 'A' and 'B' and below each column and items were given. The students were asked to match the items of the column 'A' with those of column 'B'.

In item No.IX two columns 'A' and 'B' were given. The column 'A' comprised of the names of the animals and in column 'B' the students were asked to write their style of movements.

In item No.X groups of solid, liquid and gaseous substances were given and the students were asked to put the substances under respective groups.

In item No.XI five statements were given and the students were asked to say whether they were true or false.

In item No.XII the question was of 'Match the following' type. There were five items below column 'A' and six items under column 'B'. The students were asked to match the items of column 'A' with those of column 'B'.

3.8.3.2. Administration of the Test

The test was conducted individually. Teachers' help was takèn to explain the items of the test to the students who did not follow the instructions given. In such a case, the teachers followed the sign language. There was no time limit for the test.

3.8.3.3. Scoring of the Test

There were tweleve main items. Item No.I comprised of ten sub-items and each carried half mark. Item No.II had five sub-items and each carried half mark. Item No.III and IV carried half mark each. Item No.V to VIII carried 1 mark each. Item No. IX had five sub-items and each carried half mark. Item No.X carried one mark. Item No.XI and XII had five sub-items and each carried half mark. The total marks was 20.

3.8.4.0. Science Achievement Test

Class-IV

3.8.4.1. Description of the Test:

For class IV there were IV main items.

In item No.I there were four sub-items. It comprised of multiple choice questions and answers. For each question, three answers were given. The students had to select the best answer to fill in the blank.

In item No.II there were five sub-items. The items given were of 'Fill in the blank' type. The students were asked to fill the blanks given with the right answers.

In item No.III there were five sub-items. Under this item, five statements were given. The students were asked to tick the right and wrong statements.

In item No.IV there were five sub-items. The items were of 'Match the following' type. Five items were given under each column and the students were asked to match the items of column 'A' with those of column 'B'.

3.8.4.2. Administration of the Test

The test was given individually. The teachers' help was taken to give the explaination through sign language, to the students who did not follow the instructions of the test given. There was no time limit for the test.

3.8.4.3. Scoring of the Test

There were four main items. The item No.I had four sub-items and carried 1¼ mark each. The remaining three items had five sub-items and each carried 1 mark. The total marks was 20.

3.8.5.0. Science Achievement Test

Class-V

3.8.5.1. Description of the test:

For class-V there were IV main items.

In item No.I there were five sub-items, comprising of multiple choice questions and answers. For each question three answers were given. The students had to select the best answer to fill in the blank.

In item No.II there were five sub-items. The items given were of 'Fill in the blanks' type. The answers were given within the brackets the students were asked to fill the blanks by choosing the correct answers.

In item No.III there were five sub-items. Five statements were given under this item. The students were asked to tick the right and wrong statements.

In item No.IV there were five sub-items. The items were of 'Match the following' type. Five items were given under column 'A' and six items were given under column 'B'. The students were asked to match the items of column 'A' with those of column 'B'.

3.8.5.2. Adminstration of the Test - Done as mentioned for Classes I to III

3.8.5.3. Scoring of the test:

There were four main items. Each item had five sub-items. Each main item carried 5 marks and each mark was distributed to each item. The total marks was 20.

3.8.6.0. Science Achievement Test

Class-VI

3.8.6.1. Description of the Test:

In item No.I there were five sub-items comprising of multiple choice questions and answers. For each question four answers were given. The students had to select the best answer to fill in the blank.

In item No.II there were five sub-items. The items given were of 'Fill in the blank' type. The students had to fill the blank with appropriate answer.

In item No.III there were five sub-items. Five statements were given under this item. The students were asked to tick the right and wrong statements.

In item No.IV there were five sub-items. The items were of 'Match the following' type. Five items were given under each column and the students were asked to match the items of column 'A' with those of column 'B'.

3.8.6.2. Administration of Test - Conducted in the same way as mentioned for Class III

3.8.6.3. Scoring of the test:

There were four main items. Each item had five sub-items each mark was distributed to each item. The total marks was 20.

3.8.7.0. Science Achievement Test

Class-VII

3.8.7.1. Description of the Test:

In item No.I there were five sub-items. It comprised of multiple choice questions and answers. For each question, four answers were given. The students had to select the best answer to fill in the blank given.

In item No.II there were five sub-items. The items given were of 'Fill in the blank' type. The students had to read the statement given and fill the blank with the right answer.

In item No.III there were five sub-items. Five statements were given under this item. The students were asked to tick the right and wrong statements.

In item No.IV there were five sub-items. The items were of 'Match the following' type. Five items were given under each column and the students were asked and match the items of column 'A' with those of column 'B'.

3.8.7.2. Administration of Test : Same procedure was followed as given for Classes I-III

3.8.7.3. Scoring of the test:

There were four main items. Each item has five sub-items. Each main item carried 5 marks and each mark was distributed to each item. The total marks was 20.

CHAPTER IV

4.0. RESULTS AND DISCUSSIONS

4.1. Context

The earlier chapters of this report deal with research reviews, tests and methods used for conducting this study. In this chapter the results obtained from the data are discussed to know the effectiveness of the experimental material used for raising the science achievement of the hearing impaired studying in IED and special settings. It was envisaged that the adaptations done in the material for teaching difficult concepts and words listed in chapter III, will help in raising the achievement of hearing children also. This chapter deals with some of these issues and attempts to provide some solution for planning and teaching of science to hearing impaired in integrated settings. First of all the results obtained on pre-test and post-test of hearing impaired studying in IED schools have been given below in tables and followed by children from special schools. The classwise table dealing with mean value on pre-test and post-test gives details about their performances.

4.2.0. Results of Pre and Post-tests of Hearing Impaired from IED:

Table 1

4.2.1. : Pre-test and post-test scores of students studying in IED schools

Sl. No.	Class II Pre-test	Post-test
1	11	15
2	13	14
3	13	16
4	11	14
5	13	15
6	10	14
7	12	14
8	11	13
9	10	14
10	10	13
11	18	19
12	17	18
13	18	19
14	19	20
15	12	14
16	13	15
17	10	12
18	12	13
19	9	10
20	10	11
21	10	12
22	9	11

The scores given in table-1 shows that the students both hearing and hearing impaired have done better on post-test in comparison to pre-test scores (cf table-1 for more details). This means the adapted instructional material prepared was found to be suitable for the class II in integrated settings. The test was for 20 marks and 8 students out of 22 on post-test and 4 students on pre-test, achieved 15 and above marks.

Table 2

4.2.2. : Pre-test and post-test scores of students studying in IED schools

Sl. No.	Class III Pre-test	Post-test
1	12	16
2	13	16
3	14	18
4	13	15
5	13	16
6	14	16
7	12	16
8	16	18
9	13	17
10	14	15
11	12	14
12	9	12
13	11	15
14	15	26
15	11	15
16	17	18
17	17	17
18	15	16
19	10	12
20	12	13
21	15	17
22	13	15
23	12	14

From the tables 1 and 2 it can be stated that the performance of the III standard hearing and hearing impaired from IED setting is better on post-test than the pre-test as 5 students out of 23 scored 15 and above marks out of 20 marks in pre-test whereas 18 students out of 23 students in post-test. The performance of these students on post-test is better from the post-test of the II standard students. 8 students out of 22 from II standard and 18 out of 23 from III standard have scored 15 and above marks on post-test.

Table 3
4.2.3. : Pre-test and post-test scores of students studying in IED schools

Sl. No.	Class IV Pre-test	Post-test
1	8	12
2	10	14
3	7	10
4	6	9
5	9	12
6	4	8
7	12	16
8	9	10
9	10	13
10	8	9
11	17	18
12	12	14
13	15	17
14	12	14
15	18	19
16	18	19
17	15	17
18	10	12
19	14	16
20	17	18

From the table-3 it can be inferred that performance of IV standard on post-test in comparison to pre-test is not very good as 8 students out of 20 on post-test and 6 out of 20 on pre-test have scored 15 and above marks. But the number of such students in III standard on post-test is 18 out of 23 (cf table-2). Though the majority of students from Class IV have secured marks in 18's and 19's which shows that there is difference between students' level of achievement within the group (cf table-3 for more details).

Table 4
2.2.4. : Pre-test and post-test scores of students studying in IED schools

Sl. No.	Class V	
	Pre-test	Post-test
1	12	14
2	8	12
3	13	16
4	16	20
5	12	14
6	14	17
7	12	15
8	15	17
9	17	18
10	16	17
11	19	19
12	17	18
13	11	13
14	14	16
15	14	17
16	17	18
17	16	17
18	11	13
19	13	15
20	16	17
21	11	13
22	15	17
23	14	16
24	6	10
25	15	17

The table-4 is indicative of the fact that the student of V standard have performed better on post-test than the pre-test as the number of students scoring 15 and above marks out of 20 marks are 18 out of 25 on post-test and 11 students from pre-test. If the scores of hearing impaired students from V standard are compared with the post-test of class III and IV it can be concluded that the V standard students have done better than class III and IV students.

Table 5

4.2.5. : Pre-test and post-test scores of students studying in IED schools

Sl. No.	Class VI	
	Pre-test	Post-test
1	15	19
2	13	17
3	14	18
4	13	15
5	17	18
6	18	19
7	17	18
8	18	20
9	14	16
10	15	17
11	17	18
12	16	18
13	14	16
14	9	11
15	16	18
16	14	16
17	16	17
18	19	19
19	9	12
20	11	15
21	13	17

Table-5 shows that the performance of VI standard students studying in integrated setting is significantly better on post-test than the pre-test (cf table-5). The number of the students achieving 15 and above marks is 19 on post-test and 10 on the pre-test. If these scores are compared with the class V, the performance of VI standard is better on post-test than the V standard as the number of such students falling in 15 and above score intervals is 19 out of 21 for class VI and 18 out of 25 in class V. This means the hearing impaired studying in integrated setting have done better on post-test after the use of adapted instructional

material as the number of students achieving 15 and above marks out of 20 marks on pre-test for class VI is only 10. Hence, it can be inferred that the use of such material can help them to achieve better in Science tests.

Table 6
2.2.6. : Pre-test and post-test scores of students studying in IED schools

Sl. No.	Class VII	
	Pre-test	Post-test
1	11	13
2	9	11
3	9	10
4	13	15
5	14	17
6	16	18
7	13	16
8	8	10
9	10	12
10	13	15
11	9	12
12	13	15
13	14	17

The perusal of table-6 for class VII from integrated setting indicates that the achievement of these students on post-test is certainly better than the pre-test. The number of students achieving 15 and more marks out of 20 on post-test is 7 out of 13 students and only one has achieved above 15 marks on pre-test. The comparison with other classes on post-test scores shows that the achievement scores of the students from classes VI and III were on higher side in comparison of the students from the classes VII and IV. The classwise result given above for hearing impaired from

integrated setting reveals that the facility of adaptation/modification of curriculum is needed to help them participate in academic areas better. It also shows that such adaptations in curriculum done also helps in raising the achievement of the hearing poor achievers (normal poor achievers) in the class. Table-7 gives the results of II standard hearing impaired studying in special settings.

4.3.0. Results of Pre and Post-tests of Hearing Impaired from Special schools:

Table 7

4.3.1. : Pre-test and post-test scores of hearing impaired from special schools

Sl. No.	Class II Pre-test	Class II Post-test
1	17	19
2	9	12
3	10	14
4	17	18
5	10	12
6	18	20
7	17	18
8	19	19
9	16	18
10	17	19
11	18	19
12	18	19
13	14	15
14	17	18
15	19	19
16	18	20
17	18	18
18	17	18
19	18	19
20	17	20
21	16	18
22	14	17
23	12	15
24	10	12
25	11	14
26	16	18
27	18	20

Table-7 shows that the performance of II standard hearing impaired studying in special schools on post-test does not differ much from the pre-test as the number of hearing impaired achieving 15 and above marks on post-test is 21 out of 27 for post-test and 19 out of 27 for pre-test. The performance of students from class II of special schools is quite high in comparison to the students from class II of integrated setting (cf table-1 for more details).

Table 8

4.3.2. : Pre-test and post-test scores of students studying in special schools

Sl. No.	Class III Pre-test	Post-test
1	12	14
2	13	5
3	13	16
4	14	18
5	13	16
6	7	11
7	9	11
8	10	13
9	12	14
10	8	10
11	10	13
12	9	12
13	11	14
14	13	14
15	8	11
16	12	15
17	15	17
18	11	13
19	16	18
20	8	10
21	12	15
22	9	11
23	13	14
24	8	12
25	12	13
26	15	17
27	11	13
28	12	14
29	14	15

The scores on post-test given in table VII for class III of hearing impaired studying in special school show that the students achieving 15 and above marks on post-test are 10 out of 29 and 3 from pre-test. This means, the performance of III standard hearing impaired studying in special schools in comparison to the III standard students from integrated settings is much lower (cf tables 2 and 8 for more details).

Table 9

4.3.3. : Pre-test and post-test scores of students studying in special schools

Sl. No.	Class IV Pre-test	Class IV Post-test
1	7	9
2	8	10
3	8	12
4	9	12
5	9	10
6	12	16
7	10	14
8	9	13
9	8	12
10	17	18
11	14	16
12	14	16
13	9	13
14	17	18
15	16	18
16	16	18
17	18	19
18	16	17
19	15	17
20	14	17
21	11	13
22	16	18
23	12	14
24	14	16
25	17	18
26	13	14
27	16	17
28	15	16
29	17	17
30	10	14
31	14	16
32	17	19
33	16	18

The perusal of the table-9 makes it clear that the performance of hearing impaired studying in special schools is better on post-test. The number of hearing impaired achieving 15 and above out 20 marks in the given test is 19 out of 33 on post-test and 14 for pre-test. The comparison of table-9 with table-3 given for integrated setting shows that the performance of IV standard hearing impaired students studying in integrated setting on post-test was better than the students studying in special schools (cf tables-9 and 3 for more reference).

Table 10

4.3.4. : Pre-test and post-test scores of students studying in special schools

Sl. No.	Class V	
	Pre-test	Post-test
1	15	17
2	13	15
3	11	13
4	15	16
5	12	14
6	14	17
7	13	15
8	15	17
9	16	18
10	17	18
11	13	15
12	18	20
13	16	18
14	17	17
15	14	15
16	18	20
17	17	18
18	15	17
19	12	14
20	9	12
21	7	10
22	9	13
23	8	10
24	9	12

Sl. No.	Class V	
	Pre-test	Post-test
25	9	12
26	8	13
27	8	12
28	10	14
29	12	14
30	10	11
31	13	15
32	14	15
33	9	10
34	12	14
35	13	15
36	12	14
37	13	16
38	10	12
39	14	18
40	13	17

The table-10 is indicative of the fact that the hearing impaired from class V of special school have performed better on post-test than pre-test as the number of students scoring 15 and above marks on post-test is 22 out of 40 and 11 on pre-test. This result compared with class V of integrated setting shows that the V standard students from integrated setting have done better than special school (cf tables-4 and 10).

Table 11

4.3.5. : Pre-test and post-test scores of students studying in special schools

Sl. No.	Class VI	
	Pre-test	Post-test
1	16	18
2	12	16
3	10	11
4	13	14
5	19	13

Sl. No.	Class VI	
	Pre-test	Post-test
6	10	10
7	13	15
8	16	18
9	13	16
10	12	15
11	14	16
12	13	14
13	14	16
14	15	18
15	18	19
16	13	15
17	13	16
18	14	18
19	6	10
20	12	14
21	11	13
22	11	13
23	10	12
24	12	13
25	9	10
26	6	9
27	14	17
28	13	15
29	15	18
30	12	16
31	10	12
32	16	18
33	8	12
34	13	14

From the table-11 it is clear that the performance of VI standard students on post-test is better than the pre-test. The number of students achieving 15 and above marks on post-test is 18 out of 34 on post-test and 4 out of 34 on pre-test. The results compared with the results of VI standard of integrated setting show that the hearing impaired studying in integrated setting have done better than the students studying in special schools. This means the hearing impaired studying

in integrated setting achieved more than the hearing impaired studying in integrated setting.

Table 12

4.3.6. : Pre-test and post-test scores of students studying in special schools

Sl. No.	Class VI	
	Pre-test	Post-test
1	17	19
2	16	18
3	15	18
4	14	17
5	17	18
6	17	18
7	16	18
8	18	19
9	12	14
10	15	17
11	13	15
12	9	12
13	10	13
14	11	14
15	14	16
16	9	12
17	8	10
18	10	13
19	12	15
20	11	14
21	9	11
22	10	13
23	8	10
24	7	10
25	8	8
26	9	11
27	10	12
28	9	12
29	8	9
30	10	12
31	9	12
32	12	14

The table-12 shows that the performance of VII standard is also higher on post-test than the performance on pre-test.

The number of hearing impaired achieving 15 and above marks on post-test is 12 out of 32 and 8 on pre-test. The comparisons between the results of the VII standard studying in IED shows that the performance of VII standard studying in IED is better than the students studying in special if students studying in special schools have done better than the students studying in IED setting on pre-test, as the number of such students scoring above 15 from special schools on pre-test is 8 out of 32 and 1 out of 13 from IED settings (cf table-12 and 6).

The result received on mean value on pre and post-test scores according to the educational and classwise setting is given in table mentioned below.

4.4.0. Mean Values of the Scores Obtained on Pre and Post-test of Hearing Impaired Studying in IED and Special Schools:

Table 13

4.4.1. : Mean values of the scores obtained on pre and post-test of hearing impaired in IED and special schools

Class	IED		Special schools	
	Pre-test	Post-test	Pre-test	Post-test
II	12.1	13.8	15.4	16.6
III	12.8	15.2	10.95	13.7
IV	5.9	13.8	12.6	14.6
V	13.7	15.8	12.56	14.75
VI	14.6	16.98	11.4	14.5
VII	11.6	13.90	11.3	13.81

4.4.2. (A) **Comments:-** From the above mentioned table, it can be stated that the performance of the hearing impaired from IED and special schools on post-test is better than the

pretest. But the performance of class II from special schools is better than the II standard students studying in IED settings both at pre-test and post-test as the mean values for class II on pre-test and post-test from special school are 15.4 and 16.6 and 12.1 and 13.8 from IED settings. It may be due to the following reasons:

(i) The hearing impaired children studying in special schools are generally prepared in reading, writing and understanding skills for about 3-4 years whereas children attending IED settings are generally enrolled without providing preparatory education.

(ii) Variation in educational, socio-economic status of the parents and their involvement in the education of their hearing impaired children.

(iii) The teachers teaching the deaf in special schools are better communicators for severely and profoundly hearing impaired than the regular teachers as in India we have not equipped the regular teachers with total communication skills. Therefore, the teachers working in special schools though less qualified could teach science concepts more adequately with the help of this experimental materials and also due to orientation given about how to use it more effectively.

(iv) The variation in personal factors such as intelligence, study habits, motivation levels and other academic and non academic factors might have caused this variation.

(B) The hearing impaired studying in IV standard in special schools have also performed better both on pretest and post-test in comparison to the hearing impaired from IED settings as the mean values for hearing impaired from Special schools on pre and post test are 12.6, 14.6, 5.9 and 13.8 for hearing impaired from IED (cf Table-13 for more details). The difference in mean values on the basis of type of educational settings seems to be due to these factors:

(i) Those hearing impaired who were enrolled directly without preparation could not cope with the regular instructions and might have been retained or shifted to special schools. Those hearing impaired who got admission in IED after receiving some preparatory education may do better in II and III standards as the hearing impaired generally have been reported doing better on academic areas upto II, III & IV Standards because they are ahead of hearing children in reading, writing skills due to 3 to 4 years intensive preschooling. But, it is difficult for them to sustain with the increasing academic requirements in regular schools due to the increasing difficulties in content areas.

(ii) The hearing impaired are generally taught with giving very concrete situations and their processes for abstract thinking might have not been encouraged by the system so they could not do well on the science achievement tests in IED settings.

(iii) The hearing impaired and particularly of prelingual hearing impaired are very poor in linguistic skills due to two reasons:

(a) Lack of proper linguistic inputs from the beginning of their childhood.

(b) Lack of systematic approach for the development of linguistic skills by the preschool teachers and parents or preparatory educationists. The problem of expression through writing and reading increases if they are not helped to develop these skills properly, this may cause difficulty in performing adequately in academic tasks. This may happen more with hearing impaired who are educated through IED systems who have not given adequate preparatory education than with the hearing impaired studying in Special schools.

(C) The performance of hearing impaired of classes V and VII from integrated settings in general have performed better

both on pre and post-tests than the special School students (cf Ttble-13 for more details). This might have happened due to the following reasons:

(a) Teachers teaching in special schools generally are not well qualified in Science Content areas in Comparison to the teachers working in IED settings.

(b) The hearing impaired studying in IED get used to the methodology used for teaching by VI Class and also are able to do lipreading of their science teachers properly. Besides the teachers might by now have understood their limitations in understanding and therefore may be trying to meet their educational needs by adopting suitable methods for teaching.

(c) Difference in teaching styles and availability of more reading material, library books and lab facilities in IED settings. These facilities are barely available in special schools.

(D) The mean value given for hearing impaired from class VII on Science achievement pretest and post-test sessions for IED and special schools shows that the VII standard hearing impaired do not differ in their achievements both on pre and post test as the mean values for VII class from IED are 11 6

and 13.90 and for special schools 11.3 and 13.81. This means, the hearing impaired from IED setting have done slightly better than the special School students but the difference is just marginal and not very significant. This may be due to the inability for grasping difficult concepts and also inability in relating knowledge gained in earlier classes, with the result these children take more time than the normal children and regular teacher cannot afford to repeat things due to the time restrains. And hence they may lag behind. In special schools settings this situation does not arise as the teacher is aware of the problems and they generally repeat things earlier taught to help them relate the information gained earlier.

4.5.0. So far we have discussed these results on the basis of mean values and now we will discuss the results obtained through the use of analysis of covariance and t-test. These techniques were used to find out differences among the hearing impaired studying in classes II-VII from integrated and special educational settings and also groups formed on the basis of sex, age, mediumwise and type of schooling attained. The results obtained on pre-test and post-test on Science achievement, classwise obtained through the use of analysis of covariance are given in table-14.

Table 14

4.5.1. : F-value for pre-test and post-test scores received on science achievement tests of students studying in IED and special schools (classwise)

Classes	Posttest	Significance level	Pretest	Significance level
II	5.77	0.01	5.34	0.01
III	5.45	0.01	5.85	0.01
IV	23.01	0.01	15.82	0.01
V	11.15	0.01	7.54	0.01
VI	4.72	0.01	3.29	0.01
VII	20.57	0.01	18.04	0.01

The table-14 indicates that the performance of hearing impaired in general on post-test is better and significant at 0.01 level than pre-test from both integrated settings and special schools. The significance level for class IV on post-test though is significant at 0.01 level alike for other classes yet it shows greater degree of difference between the performance of hearing impaired studying from special and integrated settings and also between the performance of these children on pre-test and post-test as the 'F' value for pre-test for class IV is 15.82 and on post-test its 23.01 (cf table-14 for more details).

This may also be confirmed from table-13 as the mean values for class II for IED group of post-test is 13.8 and for special groups 16.6. And for class IV is 13.8 for IED and 14.6 for special school group which means the hearing impaired studying in special schools in classes II and IV have done better on post-test than pre-test and also performed better

than their counterparts, studying in integrated schools. The reasons for this difference may be seen from the following points:

(i) The difference in teaching styles as the teachers from special schools use total communication which also includes signing. They teach each concept by providing concrete situations whereas teachers from regular schools are not yet equipped with total communication skills and also preassume that the child studying in II standard know basic vocabulary and language. Therefore, they do not understand the difficulty of this child. Besides, they can not afford to provide concrete situations for simple basic language concepts while teaching science.

(ii) The reading, writing and comprehensive skills of the hearing impaired studying in special schools are better as they are given 3-4 years intensive training in language and speech development which facilitates than in doing better in initial classes in comparison to their counter parts who have been integrated directly in regular schools.

(iii) May be due to individual differences in term of intelligence, motivation, need for achievement and self concept. The hearing impaired children also differ from each

other not only in these personal factors but also in term of degree of hearing loss, type of hearing aid used, duration of the use of hearing aids, type of linguistic inputs received at preschool stage etc. These may be possible reason for their better performance.

(iv) The simplification of the content areas might have helped the teachers teaching science in special schools. This may also be possible reason for their better performance on post-test.

From the table-14, it is clear that the hearing impaired studying in integrated setting in general have performed better than the hearing impaired studying in special schools and especially on post-test. Thus, it can be inferred that adaptations done in science curriculum could help the hearing and hearing impaired in integrated settings as well as to the hearing impaired studying in special schools.

In this study, the analysis of covariance was not only done to know the difference between the hearing and hearing impaired classwise but also used to know the impact of various other dominating factors like type of school (Integrated Vs. segregation; sexwise; agewise and mediumwise). This study has included hearing impaired from special schools and integrated schools, so it was essential to know the impact of these

variables. The age factor was considered because most of the hearing impaired are enrolled in school at later stages and therefore the age can be a dominating factor influencing their achievements. Various studies also reported that the boys do better on abstract area of learning than the girls'. Which means the performance of the male hearing impaired should be better than the female hearing impaired on abstract areas (Thorndike, 1963; Srivastasava, 1967; Sharma, 1988). Therefore, it was decided to include this variable to know its influence on the performance of the hearing impaired sexwise. The variable medium of instruction was also considered for analysis to know whether the medium of instruction also associated with the achievement of the science of hearing impaired studying in integrated and special schools as most of the educationalists of the view that the children studying through mother tongue or regional language achieve better academic grades in comparison to those who study through English medium schools. Some of these studies also report that the students studying through English medium are better on academic achievement than those who are studying through mother tongue and regional language. This variable was included to see whether medium of instruction has any impact on the science achievement of the hearing impaired studying through these media. The studies in this area also report that the students studying in the integrated setting do better on academic area than the students studying in segregated

setting (Sharma, 1989). The t-test was used to find out the difference between the performance of hearing impaired studying in integrated and special schools from Delhi, Haryana and Karnataka. This helped in knowing the level of difference between these students according to the educational setting and mediumwise. The results obtained through analysis of covariance and 't'-test are discussed below:

Table 15
Results obtained on analysis of covariance on age variables for hearing impaired studying in integrated and special schools (classwise)

Class	'F'value	Significance level
II	34.90	0.01
III	28.48	0.01
IV	31.02	0.01
V	47.52	0.01
VI	18.51	0.01
VII	6.62	0.01

The persual of the above mentioned table indicates that the difference on age variables is significant at 0.01 for all classes, which means there is age difference among these students. From the 'F' value given above it can be stated that the significant level is higher for V standard that is 47.52 and for classes II and IV i.e., 34.90 and 31.02 respectively.

The hearing impaired identified late and given 3-4 years. Preschool education cause this difference for the hearing

impaired attending special schools. Sometimes older hearing impaired are also enrolled directly to the regular school under the provision of integrated education and they may cope with the general system with the support of educated parents. The higher 'F' value for grade-V, shows that there is a big age difference for this grade in comparison to other classes. This may also be due to the transfer of hearing impaired from special schools to regular schools after 3-4 years preparation and education at primary level on trial basis. Similarly, the 'F' value on age variables for class II and IV is higher which means there is lot of difference between the age of the hearing impaired studying in integrated and special schools. As mentioned earlier it may be due to late identifications stagnation and preschool education of hearing impaired as in India hearing impaired mostly get identified late and given preparatory education about 3-4 years for language and speech developments for their education. In this process they become older than their normal counterparts. Thus, it can be inferred that age is a very significant factor influencing science achievement of hearing impaired as the mean values for primary classes are higher for children from special schools than the integrated schools (cf table-13 for more details). Now we will discuss about the results obtained by using 't' test for sex variable for the hearing impaired studying in integrated and special school settings.

Table 16
't' value and significance level obtained on sex variable classwise, studying in integrated and special schools

Class	"t" vlaue		Significance level	
	IED	Special school	IED	Special school
II	1.13	0.98	*NS	NS
III	1.33	0.77	NS	NS
IV	0.36	0.84	NS	NS
V	0.45	0.42	NS	NS
VI	1.71	1.13	NS	NS
VII	0.30	0.09	NS	NS

* NS Not Significant

The persual of the table-16 shows that there is no difference between the performance of male and female hearing impaired from class II-VII in both the educational settings. Though the findings received on the sex difference on language competence was found to be very significant by the author in 1989, but this value was not found significant. This may be due to the fact that the hearing impaired learn through concretisation and simplication of difficult concepts. It may be due to the used simplified methodology for teaching science, might have helped both male and female to learn in the same way. As discussed earlier the complex concept need to be simplified and substituted by easier exercises to help the hearing impaired to learn difficult concepts without any difficulty. Therefore, it can be concluded that there is no difference between the performance of males and females hearing impaired science achievement from both integrated and special schools.

Table 17

't' value on variable medium of instructions used in integrated and special school for hearing impaired studying in classes II-IV

Class	Integrated settings t-value	Significance level	Special setting t-value	Significance level
II	0.23	NS	0.56	NS
III	2.08	0.05	0.36	NS
IV	0.192	NS	1.645	0.05

The above mentioned table shows that the science teaching done through English medium, Hindi medium and Kannada medium is not significant at class II level. This may be because the content covered for class II through exploring the environment is quite simple and does not involve much difficult science concepts. Therefore it is easy to understand by these students. Besides the mode of examination for class II is mostly oral and involves simply ticking the right answer from the given choices. This requires simple understanding of language. The t-value is significant for class III at 0.05 level for integrated setting which means the students studying through English medium in integrated setting performed better than those who were studying in Hindi medium. Though the difference between the two groups is not very significant, it can be stated that the children studying through English medium might be getting the support of the educated parents as reported by various studies. The children of educated parents also reported to be going to English medium schools. It may also be due to the difference in the langauge abilities acquired by these students.

The difference due to the medium for class IV also is significant at 0.05 level for the special schools where Hindi and Kannada media were used. This shows that due to the difference in teaching styles and also due to the educational facilities available for teaching science. Mostly integrated schools with English medium found to have better educational facilities for teaching science and also there were well qualified teachers for teaching science. The integrated schools are mostly Government schools and teachers are appointed here with appropriate professional qualification. This may be the possible cause for this difference (cf table-16 for more details). The difference seen due to the medium of instruction for Kannada and Hindi for class IV of special schools of hearing impaired from Delhi, Haryana and Mysore is at 0.05 level which indicates again the difference caused due to the lack of facilities for teaching science and less qualified teachers teaching science. As the investigator observe that the students from special schools do not have access to the laboratory and library facilities. However this difference may be attributed to the environmental factors such as lack of laboratory and library facilities.

Table 18
'F' value and its significance level on variable medium of instruction for hearing impaired studying in integrated and special schools from classes V to VII

Class	F level	Significance level
V	0.86	NS
VI	1.15	NS
VII	4.43	NS

From the table-18 it can be stated that the medium of instruction has no impact on the science achievement of the hearing impaired studying in integrated and special schools since all the values are not significant (cf table-18 for more details). The results received on analysis of covariance and t-test for class II-V show that medium of instruction is not found to be influencing their score on science achievement tests. It may be due to the following reasons:

(i) The hearing impaired have been exempted from learning three languages. Their medium of instruction and language subject remain the same. Therefore they are better on the usage of language.

(ii) Language and speech development start in selected language. Therefore they learn reading and writing skills also start from preschool stage. By the time they come to I standard their usage of the language more or less becomes equivalent to their normal counter parts.

In the end it can be inferred that medium of instruction has no significant influence on their science achievement.

REFERENCES

1. **Berchin, Janice** (1989), 'Spontaneous Comparative Behaviour and Categorization: The Links Between Mediated Interaction and Reading Comprehension', Resource in Education (ERIC) vol. 25(5). Office of Educational Research and Improvement, U.S. Department of Education, May, 1990, pp.55-57.

2. **Braja Gopal Mazumder** (1986), Teaching Science in Schools. A Pragmatic Approach; Indian Education Journal, vol.XI, No.6, p.75.

3. **Bruner, J.** From Communication to Language - A Psychological Perspective. Cognition 1974/75, vol.3, pp. 255-287.

4. **Chadha, N.K. Gulati Gitanjali** (1988), "ESP in Normal and Deaf Students: An Empirical Study", In: Disabilities and Impairments, An Interdisciplinary Research Journal, vol.2(1), Akshat Publications, New Delhi.

5. **Corder, Lloyd, E.** (1988), The Ability of Deaf Individuals to Identify Facial Expressions, Resource in Education, (ERIC), vol.25(1). Office of Educational Research and Improvement, U.S. Department of Education January, 1990, p.57.

6. **Clark, Christina, C. and Others** (1981), Management Program for Non Verbal, Normal Hearing Special Education Students, ERIC, vol.16(9), p.58.

7. **Dandekar, W.N.** (1990), Fundamentals of Experimental Psychology. (5th ed.). Ajay Gujarathi Publishers, Pune.

8. **Davis, H.,** Abnormal Hearing and Deafness (1978). In H. Davis and S.R. Silverwan (Eds.). Hearing and Deafness (4th ed.), New York.

9. **Dhartri, R., Murthy Vinoda,** (1989), "Intellectual Functions of Hearing Impaired Children", In: Disabilities and Impairments, An Interdisciplinary Research Journal, vol.3(1), Akshat Publications, New Delhi, July, 1989, pp.47-51.

10. **Eilers, Rebecca, E. and Others** (1987), Assessment Techniques to Evaluate Tactual Aids for Young Hearing Impaired Children. Resource in Education (ERIC) vol.23(11). Office of Educational Research and Improvement, U.S. Department of Education, November, 1988, pp.70.

11. **Furth, H.G.** (1971), 'Linguistic Deficiency and Thinking'. Research with Deaf Subjects, 1964-69. Psychological Bulletin, vol.76, pp.58-72.

12. **Furth, H.G.** (1964), Research with the Deaf: Implications for Language and Cognition. Psychological Bulletin, pp.145-164.

13. **Furth, H.G.** (1973), Deafness and Hearing. A Psychosocial Approach. Belmont, Calif: Woodsworth.

14. **Furth, H.G.** (1966), Thinking without Language London. Review 78, pp.88-95, 140-147.

15. **Gagne, R.M.** (1970), The Conditions of Learning, HOCK, Rinchart, New York.

16. **Government of India** (1964-66), Report of the Education Commission, Ministry of Education, New Delhi, India.

17. **Government of India,** National Policy on Education 1986, Ministry of Human Resource Development, India.

18. **Herrick, H.M.** (1980), Concept Formation and (C2) (41) Prevocational Competence in Deaf Students Unpublished Doctoral Dissertation, Boston University.

19. **Hughes Robert** (1961), Verbal Conceptualization in Deaf and Hearing Children, In Journal of Exceptional Children, pp.117-212.

20. **Hurlock Elizabeth, B.** (1972), Child Development' (5th Edition), McGraw Hill Kogakusha, Ltd.

21. **Jensema, C.J. and Trybus, R.** (1975), Reported Emotional/ Behavioural Problems among Hearing Impaired Children in Special Educational Programs, United States, 1972-73.

22. **Jonas, Bruce Martin, David, S.** (1984), Cognitive Improvement of Hearing Impaired High School Students Through Instruction in Instrumental Enrichment, Resource in Education, ERIC, vol.20(1). Office of Educational Research and Improvement, U.S. Department of Education, January, 1985, pp.54-57.

23. **Kailer-Grodecka, Irmina, Cieszynska Jagoda** (1989), 'The Understanding of Time by Deaf Pupils'. Resource in Education, ERIC, vol.25(5). Office of Educational Research and Improvement, U.S. Department of Education, May, 1990, pp.55-57.

24. **Karplus, R.** (1977), 'Science Teaching and the Development of Reasoning', Journal of Research in Science Teaching, 14(2), pp.169-175.

25. **Kephart, N.C.** (1971), The Slow Learner in the Classroom, Charles, E. Merril Publishing Company, Columbus, Chic.

26. **Klansmeier, J., Herbert,** et al. (1974), Conceptual Learning and Development.

27. **Kraft Arthur** (1975), The Living Classroom Putting Humanistic Education in Practice, Harper and Row Publishers, New York.

28. Learning and Communication Disorders, An Abstracted Bibliography, 1971-1980.

29. **Lovell, K.** (1961), 'The Growth of Basic Mathematical and Scientific Concepts in Children', London, University of London Press.

30. **Margaret, C. Wang, Maynard, C. Reynolds and Herbert J. Walberg** - Handbook of Special Education, Research and Practice, vol.3.

31. **Mayberry, Rachel Waters, Gloria S.** (1987), 'Deaf Children's Recognition of Written Words'; is finger spelling the Basis? Resource in Education, ERIC, vol.23(3). Office of Educational Research and Improvement, U.S. Department of Education, March, 1988, pp.46.

32. **Martin, David, S. Jonas, Bruce, S.** (1987), 'Improving Thinking Skills in Deaf College Students', Resource in Education, ERIC, vol.24(1). Office of Educational Research and Improvement, U.S. Department of Education, January, 1989, pp.65.

33. **Malone, J. and Dekker, J.** (1984), 'The Concept Map as an Aid to Instruction in Science and Mathematical School Science and Mathematics, pp.221-231.

34. **McNally, D.W.** (1971), 'Conservation and Classroom Performance in First Grade'. Mimeographed report, Westmead College of Advanced Education.

35. **Mohanty, Susandhya** (1990), Teaching Science in the High Schools of Cuttack City, Indian Educational Review, vol.25, No.2, pp.60.

36. **My Klebust,** H.R. (1964), The Psychology of Deafness, Grune and Stratton; New York.

37. **Oleonon, 1950, Goetzinger,** et al. (1967). In: Disabilities and Impairments, An Interdisciplinary Research' Journal.

38. **Oliver, J.S. and Simpson, R.D.** (1988), 'Influences of Attitudes Towards Science, Achievement Motivation and Science Self Concept on Achievement in Science'. A Longitudinal Study Science Education, 72(2), 143-155.

39. **Oleron, Pierre,** 'Conceptual Thinking of the Deaf', In: American Annals of the Deaf, May, 1953, 98, pp.304-309.

40. **Piaget, J. and Inhelder, B.** (1947), 'Diagnosis of Mental Operations and Theory and Intelligence. American Journal of Mental Deficiency, 51 pp.401-406.

41. **Powrie** (1950), 'On Teaching the Abstract to the Deaf'. In: Volta Review, Journal of the Alexander Graham Bell Association for the Deaf, Inc, N.W., Washington D.C., December, 1950.

42. Sharma, P.L. (1977), A study of Language Development of Children with Hearing and Speech Defects, M.Ed. Dissertation, University of Mysore.

43. Sharma, P.L. (1984), 'The Level of Auditory Impairment and Speech Problems of Sumidha' - A Case Study, Bulletin Integrated Education for Disabled, vol.I, No.3, March, NCERT, New Delhi,

43. Sharma, P.L., 'Case Study of Hearing Impaired Student Studying in Integrated Setting', Bulletin Integrated Education of Disabled, vol.2, No.2, December, 1984, NCERT, India.

44. Sharma, P.L. (1986), Mainstreaming of Hearing Impaired Children and Preschooling: Some Issues, the Education Quarterly, vol.XXXVII, No.4, Winter issue, Government of India.

45. Sharma, P.L. (1987), 'Status Paper on Education of Hearing Handicapped in India', Published in UNESCO, Report on Regional Planning Seminar and Workshop on Special Education in Asia and Pacific Bangkok.

46. Sharma, P.L. and Jangira, N.K. (1987), Source Book Training Teachers of Hearing Impaired NCERT, India.

46. Sharma, P.L. (1989), An ERIC Research Report on 'A Study to Explore Linguistic Competence of Hearing Impaired': A Study in Primary Schools of Integrated Settings, NCERT, New Delhi, India (in press) 45a.

47. Sharma, P.L. (1990). Teaching Strategies Needed for Integrating Hearing Impaired in Regular Schools; Paper presented in International Congress on Special Education Needs from August 20 to September 3, 1990 at Cardiff, U.K.

46. **Stainback, S. and Stainback, W.** (1989), 'No more Teachers of Students with Severe Handicaps', TASH - News Letter, 15, 9-10.

47. **Stewart, J., Finley, F.N. and Yarroch, W.L.** (1982), 'Science Content as Important Consideration in Science Education', Research Journal of Research in Science Teaching, 19, pp.425-432.

48. **Sundara Rajan, S.** (1951), Problems of Teaching General Science for Standard VI in Tamil Nadu and their Impact on Pupil - Achievement in General Science, Experiments in Education, vol.VII, No.11, pp.

49. **Templin, Mildred, C.,** The Development of Reasoning in Children with Normal and Defective Hearing, Minneapolis, University of Minnesota Press, 1950.

50. **Tobin, K. and Gallagher, J.J.** 1987, What Happens in High School Science Classrooms?, Journal of Curriculum Studies, 19, pp.51,9-560.

51. **Tobin, K., Kahle, J.B., and Fraser, B.J.** (Eds.) (1990), 'Windows into Science Classrooms, Problems Associated with Higher level Cognitive Learning', London Falmer Press.

52. **Tobin, K., Rennie, L.J. and Fraser, B.J.** (1990), 'Barriers on Learning Science with Understanding; Perth, Key Centre for School Science and Mathematics, Curtin University of Technology.

53. **Tsui, Hing Fung and Others** (1989), 'Memory and Metamemory in Deaf Students', Resource in Education, ERIC, vol.25(5). Office of Educational Research and Improvement, U.S. Department of Education, May, 1990, pp.55-57.

54. **Tuddenham, R.D.** (1970), 'A Piagetian Test of Cognitive Development, on Intelligence', the Tornoto Symposium on Intelligence, pp.49-70.

55. **Walford, G.** (1983), 'Parental Attitudes and Girls in Physical Science', School Science Review, 64(228), p.566.

56. **Watts, M.** (1988), 'From Concept Mapping to Curriculum Sign Posts, Physics Education', 23, pp.74-79.

57. **Watts, W.J.** (1979), 'The Influence of Language on the Development of Quantitative, Spatial, and Social Thinking in Deaf Children. American Annals of the Deaf, vol.124, 46-56.

58. **Webster, Alec: Deafness**, 'Development and Literacy', In: British Journal of Special Education, vol.16(4). National Council for Special Education, December, 1989, p.170.

59. **Whitson, Linda Meroe** (1986), 'The Relationship Between Parent Attitude and Achievement in Hearing Impaired Students in Grades, 7-12, Dissertation Abstracts International Humanities and Social Sciences, vol.47(2), August, 1986, p.504.

60. **Witters, Churchill, Laurie, J. Witters, Lee, A.** (1989), 'Hearing Impaired Students Performance on the Piagetian Liquid Horizontality, Test: An Analysis and Synthesis'. Resource in Education, ERIC, vol.25(5). Office of Educational Research and Improvement, U.S. Department of Education, May, 1990, pp.55-57.

61. **Yadav, R.S.**, 'Science Curriculum Research, Renoviation and Suggestion', Indian Educational Review, vol.2, No.4, October, 1987, p.136.

62. **Yager, R.F. and Perick, J.E.** (1984), 'What Students say about Science Teaching and Science Teachers', Science Education, 68(2), pp.143-152.

63. **Zweibel, Abraham Mertns, Donna, M.** (1985), 'A Factor Analysis Study of Intellectual Development in Deaf and